सीबीएसई पूरक परीक्षा में आवंटित अंकों के औसत आधार पर छात्रों को किया जाए उत्तीर्ण : वी.पी. टंडन

नई दिल्ली। एक्शन कमेटी, अनएडेड प्राइवेट स्कूल, दिल्ली के उपाध्यक्ष वी.पी. टंडन ने चिर-प्रतिक्षित शराष्ट्रीय शिक्षा नीतिश को सार्थक व साकार रूप देने के लिए भारत सरकार व शिक्षा मंत्री को बधाई देते हुए इसे समय की मांग के अनुरूप एक मील का पत्थर बताया व इसके सफल क्रियान्वन की कामना करते हुए एक्शन कमेटी ने शिक्षा मंत्रालय को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

केंद्रीय शिक्षामंत्री रमेश पोखरियाल निशंक को लिखे एक पत्र में उन्होंने सीबीएसई द्वारा इस संकट काल में विभिन्न बाधाओं को पार कर अपेक्षित समय पर परीक्षा परिणाम घोषित करने के लिए साधुवाद कहा और उनका ध्यान पूरक परीक्षा क्षेणी के अन्तर्गत रखे गए छात्रों में उपजी अनिश्चितता की ओर आकर्षित किया। कोविड-19 की विभीषिका के कारण सभी स्कूलों को 31 अगस्त 2020 तक बन्द रखने के सरकार द्वारा आदेश दिए गये है और कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए निकट भविष्य में स्कूलों के खुलने की संभावना भी नहीं है। इस भीषण परिस्थिति के कारण पूरक परीक्षा के आयोजन पर एक प्रश्न-चिन्ह लग गया है। जो अभिभावकों व बच्चों के लिए एक चिन्ता का कारण बन गया है। पूरक परीक्षा पास किए बिना कोई बच्चा आगामी कक्षा में प्रवेश की सोच भी नहीं सकता।

वी.पी. टंडन ने शिक्षामंत्री को सुझाव देते हुए, अनुरोध किया है कि पूरक परीक्षा के अन्तर्गत रखे गए बच्चों को अन्य विषयों में आवंटित अंकों के औसत आधार पर सफल घोषित कर दिया जाए अथवा निकट भविष्य में विद्यालयों को अपने बच्चों की पूरक परीक्षा आयोजित करने की अनुमति प्रदान की जाए जिससे समय पर पूरक-परीक्षा परिणाम घोषित कर बच्चों को आगामी कक्षा में प्रवेश का अवसर उपलब्ध करवाया जा सके।

10वीं और 12वीं में कंपार्टमेंट बच्चों को उनके अन्य विषयों में आए औसत अंकों के आधार पर उत्तीर्ण करने की मांग : विरेंद्र सिंह

इसी क्रम में जागरूक पेरेंट्स एसोसिएशन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक को पत्र लिखकर कक्षा 10वीं और 12वीं में कंपार्टमेंट आए हुए बच्चों को उनके अन्य विषयों में आए औसत अंकों के आधार पर उत्तीर्ण करने की मांग की है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री को लिखें पत्र में जागरूक पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विरेंद्र सिंह ने कहा है कि कोविड-19 की विभीषिका के कारण सभी स्कूलों को 31 अगस्त तक बंद करने के सरकार द्वारा आदेश दिए गए हैं और कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए निकट भविष्य में विद्यालय खुलने की संभावना नजर नहीं आती है। इस भीषण समय और विषम परिस्थिति के कारण पूरक परीक्षा के आयोजन पर एक सवालिया निशान लग गया है, जिसने अभिभावकों और बच्चों को सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। पूरक परीक्षा पास किए बिना कोई बच्चा अगली कक्षा में प्रवेश की सोच भी नहीं सकता।

जागरूक पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विरेंद्र सिंह ने शिक्षा मंत्री से मांग करते हुए कहा कि ऐसी विकट परिस्थिति में पूरक परीक्षा के छात्रों को अन्य विषयों में प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर उत्तीर्ण करने की घोषणा की जाए। जिससे वे बच्चे तनाव रहित रह कर आगे की शिक्षा सुचारू रूप से पूर्ण कर सकें

श्री राम कृष्ण सेवा संस्थान द्वारा जन्माष्टमी महोत्सव आज

कालकाजी। श्री राम कृष्ण सेवा संस्थान (पंजी.) द्वारा जन्माष्टमी के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जन्माष्टमी महोत्सव आयोजित किया जाएगा। संस्थान के चेयरमैन ओ.पी. बागला ने बताया कि कोविड-19 की वजह से यह कार्यक्रम साधना चैनल पर लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा, जिससे सभी भक्तजन अपने घरों में ही कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देख सकते हैं। आज 9 अगस्त को होने वाला यह कार्यक्रम सायं 5 बजे से 7 बजे तक देखा जा सकता है।

यह कार्यक्रम कोलकाता के साहिल शर्मा एवं श्रीमती दीपा चावला के निर्देशन में किया जाएगा। कार्यक्रम में भजन गायकों द्वारा गीत व संगीत का कार्यक्रम लाइव दिखाया जाएगा, जिसमें शानदार झांकी, रासलीला, नृत्य व झूले पर श्री राधा कृष्ण के दर्शन भी सभी भक्तजन घर बैठे कर सकते हैं। संस्था की कार्यकारिणी में ओ. पी. बागला (चेयरमैन), ललित पोद्दार (प्रधान), सतीश जिंदल (महामंत्री), वी.के. गुप्ता (कोषाध्यक्ष), बी.आर. गर्ग (विशिष्ट उप प्रधान), प्रदीप बेरीवाल (मंत्री), श्याम सुंदर गुप्ता (चेयरमैन समाज सेवा कार्यक्रम) व पुष्पेंद्र गोयल (चेयरमैन सांस्कृतिक कार्यक्रम) हैं।

ओ.पी. बागला
चेयरमैन

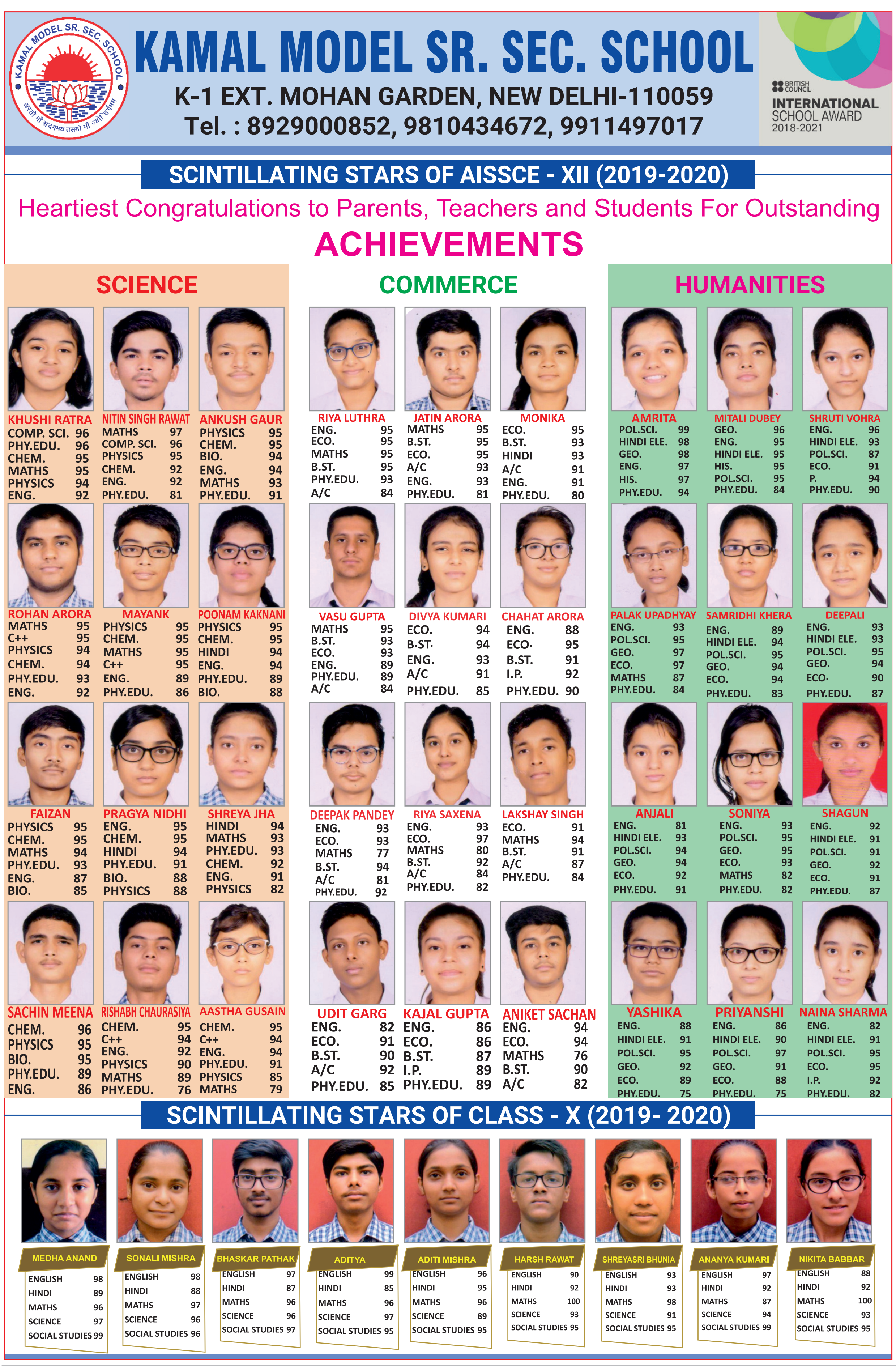

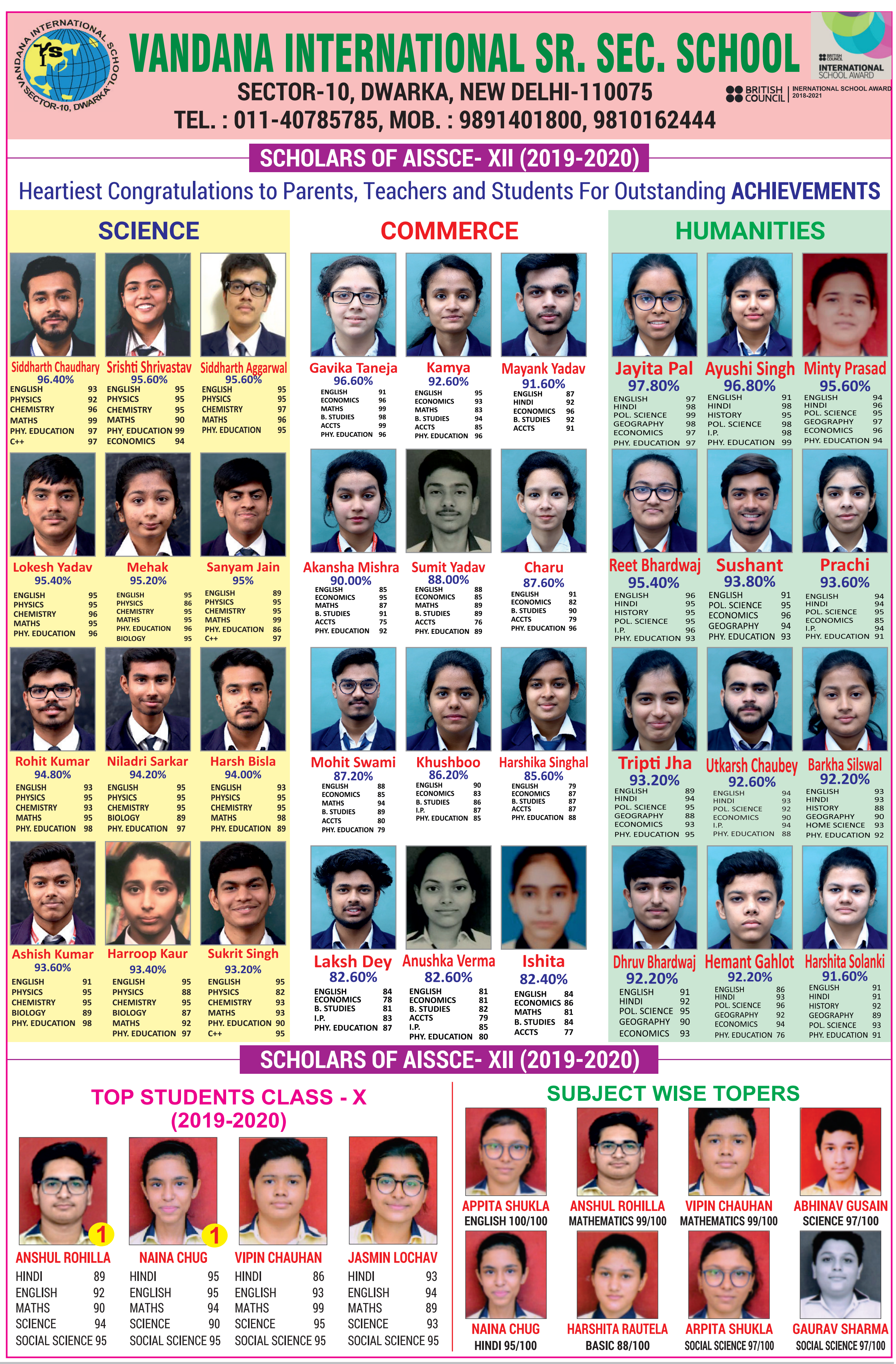

NNS Media Group Since 1950
प्रकाशन
बदलते भारत की सभ्य तस्वीर
सप्ताहांत
मेरी दिल्ली
Mob. : 08447732401 www.meridelhi.com www.nnsmediagroup.com

संस्थापक : स्वर्गीय नेकीराम गुप्ता ● प्रेरणास्त्रोत : स्व. केसर सिंह गुप्ता ● संपादक : राजेश गुप्ता ● संवाददाता : अक्षय गुप्ता ● कार्यालय : मेरी दिल्ली हाउस, 25/10, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26 ● मूल्य ₹ 3:00/- /MeriDelhiNews ई-मेल:nnsonline@nnsonline.com

गंगा इंटरनेशनल स्कूल की दो पूर्व छात्राएं आईएएस बनीं

डॉ. सुशील गुप्ता

श्वेता सुमन

सपना कुमारी

भारत गुप्ता

हिरण कूदना। राजधानी के सर्वश्रेष्ठ आवासीय विद्यालय में शुमार किए जाने वाले गंगा इंटरनेशनल स्कूल की दो पूर्व छात्राएं आईएएस की परीक्षा उत्तीर्ण करने में एक साथ सफलता प्राप्त की है। इस विद्यालय के तमाम छात्र प्रत्येक वर्ष आईएएस, पीसीएस, इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट इत्यादि प्रतियोगिता/ प्रवेश परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करते रहे हैं एवं इन छात्राओं ने इस श्रृंखला को आगे बढ़ाने का काम किया है। विद्यालय की पूर्व छात्रा श्वेता सुमन ने इस परीक्षा में 413वीं रैंक हासिल करते हुए सफलता प्राप्त की है। श्वेता ने गंगा इंटरनेशनल स्कूल से 2011 में 12वीं की परीक्षा 90.5 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की थी। विद्यालय की पूर्व छात्रा सपना कुमारी ने आईएएस परीक्षा में 806वीं रैंक हासिल की है। जिन्होंने गंगा इंटरनेशनल स्कूल से 2013 में 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। सपना कुमारी इस समय जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि के लिए अध्ययनरत हैं।

विद्यालय के चेयरमैन भारत गुप्ता के साथ दोनों पूर्व छात्राओं ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत करते हुए अपनी खुशियां बांटी। विद्यालय के पूर्व चेयरमैन एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता ने भी दोनों छात्राओं को उनकी सफलता पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता से विद्यालय अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि इस विद्यालय की स्थापना डॉ. सुशील गुप्ता द्वारा ही की गई थी, जो आज देश को एक से बढ़कर एक आदर्श नागरिक प्रदान करने में सफल हो रहा है। खेल, उद्योग, व्यापार, प्रशासन, इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट जैसे जीवन के सभी क्षेत्रों में इस विद्यालय के छात्र अपनी चमक बिखेरते हुए अपने परिवार, विद्यालय एवं देश को गौरवान्वित करने का काम कर रहे हैं।

इंसान की चाहत कभी भी खत्म नहीं होती : डॉ. एच.बी.एस. लाम्बा

गलत तरीके से कमाया हुआ धन इंसान को गलत राह पर ले जाता है

पंजाबी बाग। आज भारत वर्ष में न्यू वैम्बले प्रोडक्ट्स के हाई क्वालिटी पेंट्स, थिनर एवं कैमिकल्स प्रोडक्ट्स ने लोगों के घरों में अच्छी पैठ बनाकर सम्माननीय स्थान प्राप्त करने के साथ-साथ डॉ. एच.बी.एस. लाम्बा के प्रेरणादायी एवं ओजस्वी विचारों ने भी लोगों को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है और हमें कैसे जीवन जीना है। हमें अपने इस अनमोल जीवन में क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

डॉ. एच.बी.एस. लाम्बा
संस्थापक एवं प्रबन्ध निदेशक
न्यू वैम्बले प्रोडक्ट्स

वर्तमान लेख के माध्यम से डॉ. एच.बी.एस. लाम्बा कहते हैं कि हर एक व्यक्ति चाहता है कि उसे दुनिया की सारी खुशियां मिल जाएं लेकिन यह भगवान ही अच्छी तरह से जानता है कि उसके लिए क्या उचित है। आज के दौर में प्रत्येक व्यक्ति की हसरतें एवं चाहते इतनी बढ़ती जा रही हैं जिनका कोई अंत नहीं है। उदाहरण के लिए अगर आज किसी के पास एक लाख रूपए है तो उसकी चाहत होती है कि उसके पास 50 लाख रूपए होने चाहिए। यदि हम यही 50 लाख के लक्ष्य को पूरा कर लेते हैं तो यही चाहत करोड़ों में बदल जाती है। यही इंसान की चाहत रुकने का नाम नहीं लेती। इसके साथ-साथ बड़े मकान, घूमने- फिरने को महंगी कार, खाने के लिए आलीशान होटल एवं शाही रहन-सहन आज प्रत्येक व्यक्ति की चाहत होती है। आज के दौर में घर का खाना भी कम लोगों को ही पसंद आता है। यह बात आम आदमी की ही नहीं बल्कि बच्चों पर भी लागू होती है।

आज के बच्चे भी अपने बाप के बाप बने हुए हैं। उन्हें भी बढ़िया से बढ़िया और महंगे से महंगे मोबाइल फोन चाहिए। उन्हें स्कूल-कॉलेज जाने के लिए बस नहीं बल्कि निजी कार और उसके लिए एक ड्राइवर भी चाहिए। इन सबके बीच आदमी कोल्हू के बैल की तरह पिस जाता है। हर वक्त वह यही सोचता रहता है कि पैसा कहां से और कैसे आए। पैसे की अंधी दौड़ में व्यक्ति की अकल सोचना बंद कर देती है कि क्या सही है ओर क्या गलत। जब कोई भी इंसान पैसे के पीछे पागल हो जाता है तब उसकी इच्छाएं आसमान छूना आरंभ कर देती हैं। ऐसे में व्यक्ति के जीवन में एक समय ऐसा भी आता है कि वह व्यक्ति इन इच्छाओं का गुलाम हो जाता है। ऐसे में वह व्यक्ति इच्छाओं को नहीं बल्कि इच्छाएं उसे खाती हैं। इच्छाओं के वशीभूत व्यक्ति अच्छे-बुरे, अपने-पराए सबको भूल जाता है। फिर क्या होता है, ऐसे में इंसान छल, कपट, धोखाधड़ी और गलत राह पर चलकर हर किसी को छल करके, धोखा देकर धन कमाने में लग जाता है। वह इस छल में सबसे पहले अपनों को इस फरेब में लपेटता है। अपने भाई-बहनों से धोखा, उनका हक छीनना शुरू करता है। ऐसा व्यक्ति अपने मां-बाप तक को भी नहीं बख्शता तथा किसी की भी पीठ में छुरा घोंप सकता है।

ऐसे व्यक्ति की आत्मा मर चुकी होती है। ऐसे व्यक्ति ही धन के लालच में अपने मुल्क से भी गद्दारी करते हैं। ऐसे व्यक्ति को सच कहा जाए तो उसकी आत्मा भी स्वीकार नहीं करती। ऐसे आदमी का अंत क्या होगा सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। वह सोचने-समझने के काबिल नहीं रहता। वह भूल जाता है कि उस पैसे को उसने न्यायबद्ध तरीके या गैर-कानूनी रूप से कमाया है। परंतु भगवान सब जानता है उसके पास सब के अच्छे-बुरे कर्मों का पूरा लेखा-जोखा है। जो उसे इसी जन्म में चुकाना है। इसलिए कहा भी गया है कि-पांव उतने ही पसारने चाहिए जितनी बड़ी चादर हो। लालच बुरी बला है। व्यक्ति को सदैव श्रद्धा और सबूरी में रहना चाहिए। बेहतर होगा आप भी खुश रहो और औरों को भी खुश रहने दो। इसी में स्वयं और जगत का कल्याण है।

श्रीराम मंदिर भूमि पूजन के अवसर पर महिला मंडल द्वारा भक्तिमय माहौल में सुंदरकांड पाठ आयोजित

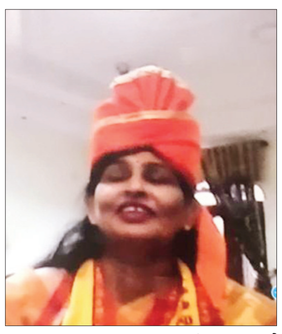

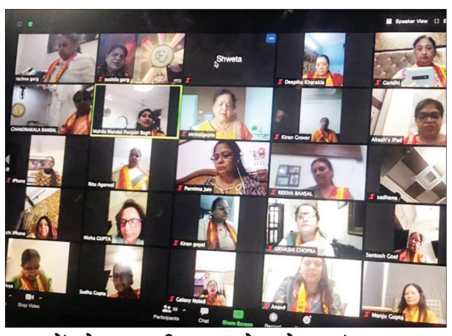

पंजाबी बाग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 अगस्त को ऐतिहासिक श्री राम मंदिर का भूमि पूजन किया। देश-विदेश में बड़ी संख्या में सभी राम भक्तों ने टीवी के माध्यम से इस भूमि पूजन को देखा। भूमि पूजन के उपलक्ष्य में दिल्ली सहित संपूर्ण भारत में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। दिल्ली के पंजाबी बाग स्थित महिला मंडल पंजाबी बाग ने इस अवसर पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया था। जिसकी जानकारी देते हुए संस्था की संस्थापक अध्यक्षा श्रीमती मीना गुप्ता ने बताया कि अयोध्या में भूमि पूजन के उपलक्ष्य में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया था। जिसमें संस्था के पदाधिकारियों व सदस्यों ने हिस्सा लिया। श्रीमती मीना गुप्ता ने बताया कि हमारी संस्था के सदस्यों को इस अवसर पर पटका, दीपक तथा प्रसाद वितरण भी किया। रात के समय ऐसा लग रहा था जैसे कि आज ही पुनः दीवाली आ गई है।

इस सफलता पर पंखुरी परिवार मीना गुप्ता, कृष्णा मंगला, किरण गोयल, सुशीला गर्ग, कृष्णा गर्ग, संतोष गोयल, दीपिका खरकिया, अंजू गर्ग, राशि महाजन, नीलम मल्होत्रा, रेखा बंसल, रचना गर्ग, पुष्पा खंडेलवाल, चन्द्रकला बंसल, योगा ग्रुप, अंजु गर्ग, मंजू गुप्ता, भामा जी, दिव्या सिंगल, अरुणा गुप्ता, नीलम सिंगल, स्वेता गर्ग, निर्मल गुप्ता, गुरुग्राम वाली सुनीता सिंगल एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यो का धन्यवाद करते हैं तथा हार्दिक अभिनन्दन करते हैं।

नूपुर गोयल ने यूपीएससी परीक्षा में किया 11वां स्थान हासिल

पश्चिम विहार। देश की सबसे प्रतिष्ठित और कठिन समझे जाने वाली सिविल सर्विस परीक्षा-2019 (यूपीएससी) का परिणाम मंगलवार को घोषित किया गया। इस बार कुल 829 कैंडिडेट सफल हुए, जिसमें दिल्ली के प्रशांत विहार में रहने वाली नूपुर गोयल ने देशभर में 11 वां रैंक लाकर अपने क्षेत्र सहित अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है।

नूपुर गोयल के पिताजी राकेश गोयल का नरेला मंडी में व्यवसाय है। माताजी अनीता गोयल हाउस वाइफ व भाई आयुष गोयल सीए है। आपके मामाजी नरेश ऐरण महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल के महामंत्री सहित समाज की सैकड़ों संस्थाओं से जुड़कर समाज सेवा में लगे रहते हैं। जबकि आपके चाचा जी डॉ. आनंद बंसल श्री बालाजी एक्शन हॉस्पिटल के एमडी हैं। अपनी इस उपलब्धि पर बोलते हुए नूपुर गोयल ने कहा कि उनका बचपन से सपना था कि वह अपने देश की सेवा करें, जिसके लिए वह लगातार कोशिश कर रही थी। इस बार उनकी कड़ी मेहनत व उनके माता-पिता के आशीर्वाद से उनका यह सपना पूरा हो गया है। नूपुर गोयल के पिताजी राकेश गोयल व माताजी अनीता गोयल ने इस मौके पर कहा कि उन्हें अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर गर्व है। हमारे पास निरंतर लोगों की शुभकामनाएं व बधाई के फोन आ रहे हैं। वहीं इस मौके पर नरेश ऐरण ने कहा कि उनकी भांजी की इस उपलब्धि से समस्त अग्रवाल समाज का नाम रोशन हुआ है। भारत सरकार की सबसे प्रतिष्ठित सेवाओं में चयन होने से नूपुर को देश की सेवा का जो सौभाग्य प्राप्त हुआ है उसका श्रेय नूपुर की मेहनत, लगन व दृढ़ इच्छाशक्ति को जाता है। नूपुर गोयल ने समस्त गोयल परिवार, समस्त रामेश्वर दास ऐरण परिवार का नाम रौशन कर दिया है। जिसके लिए उन्हें नूपुर गोयल पर गर्व है।

Congratulations

NUPUR GOEL

For Achieving 11th Rank

in UPSC Civil Services Exams 2019 (IAS)

We are Proud of you Nupur Goel

NUPUR WITH HER PARENTS
SH. RAKESH GOEL, SMT. ANITA GOEL &
BROTHER CA ASHU GOEL (EXTREME LEFT)

NUPUR WITH HER MAMAJI
SH. ASHOK GUPTA

NUPUR WITH HER CHACHA JI
DR. ANAND BANSAL

NUPUR WITH HER MAMAJI
SH. NARESH AIRAN

NUPUR WITH HER MAMAJI
SH. BASANT AIRAN

NUPUR WITH HER MAMAJI
SH. ANIL AIRAN

NUPUR WITH HER MAMAJI
SH. NITIN AIRAN

NUPUR WITH HER BROTHER
CA AYUSH GOEL

CONGRATULATIONS FROM R.D. AIRAN PARIWAR

जन्माष्टमी पर हो जाएं कृष्ण भक्ति में लीन, सब दुःख होंगे दूर

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण मध्यरात्रि के समय पृथ्वी पर अवतरित हुए थे इसलिए इस दिन को दुनिया भर में कृष्ण जन्माष्टमी के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति जन्माष्टमी के व्रत को करता है, वह ऐश्वर्य और मुक्ति को प्राप्त करता है। व्रत को करने वाला इसी जन्म में सभी प्रकार के सुखों को भोग कर अंत में मोक्ष को प्राप्त करता है। इसके अलावा जो मनुष्य भक्तिभाव से भगवान श्रीकृष्ण की कथा को सुनते हैं, उनके समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं और वे उत्तम गति को प्राप्त करते हैं।

अलग ही दिखती है पूरे देश में इस पर्व की छटा : देश विदेश में बड़ी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाए जाने वाले इस पर्व की छटा मथुरा वृंदावन में विशेष रूप से देखने को मिलती है। इस पावन अवसर पर भगवान कान्हा की मोहक छवि देखने के लिए दूर दूर से श्रद्धालु मथुरा पहुंचते हैं। इस दिन देश भर के मंदिरों को विशेष रूप से सजाया जाता है और श्रीकृष्ण के जन्म से जुड़ी घटनाओं की झांकियां सजाई जाती हैं। भविष्यपुराण में कहा गया है कि जहां श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर व्रतोत्सव किया जाता है, वहां पर प्राकृतिक प्रकोप या महामारी का ताण्डव नहीं होता। मेघ पर्याप्त वर्षा करते हैं तथा फसल खूब होती है। जनता सुख-समृद्धि प्राप्त करती है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का व्रत करने वाले के सब क्लेश दूर हो जाते हैं। इस दिन जगह-जगह श्रीकृष्ण की जीवन की घटनाओं की याद को ताजा करने व राधा जी के साथ उनके प्रेम का स्मरण करने के लिए रास लीलाओं का आयोजन किया

जाता है। इस त्यौहार को कृष्णाष्टमी अथवा गोकुलाष्टमी के नाम से भी जाना जाता है। इस पर्व पर पूरे दिन व्रत रखकर नर-नारी तथा बच्चे रात्रि 12 बजे मन्दिरों में अभिषेक होने पर पंचामृत ग्रहण कर व्रत खोलते हैं।

इस पर्व के दिन उत्तर भारत में उत्सव के दौरान भजन गाए जाते हैं व नृत्य किया जाता है तो महाराष्ट्र में जन्माष्टमी के दौरान, कृष्ण के द्वारा बचपन में लटके हुए छींकों (मिट्टी की मटकियों), जो कि पहुंच से दूर होती थीं, से दही व मक्खन चुराने की कोशिशों करने का उल्लासपूर्ण अभिनय किया जाता है। इन वस्तुओं से भरा एक मटका अथवा पात्र जमीन से ऊपर लटका दिया जाता है तथा युवक व बालक इस तक पहुंचने के लिए मानव पिरामिड बनाते हैं और अन्ततः इसे फोड़ डालते हैं।

ध्यान रखने योग्य बातें : धर्मग्रंथों के मुताबिक जन्माष्टमी के व्रत को करना अनिवार्य माना जाता है। मान्यता है कि जब तक उत्सव सम्पन्न न हो जाए तब तक भोजन नहीं करना चाहिए। व्रत के दौरान फलाहार लेने में कोई मनाही नहीं है। रात को बारह बजे शंख तथा घंटों की आवाज से श्रीकृष्ण के जन्म की खबरों से जब चारों दिशाएं गूंज उठें तो भगवान श्रीकृष्ण की आरती उतार कर प्रसाद ग्रहण करें। इस प्रसाद को ग्रहण करके ही व्रत खोला जाता है।

पूजन विधिः व्रती को किसी नदी में तिल के साथ स्नान करके यह संकल्प करना चाहिए- 'मैं कृष्ण की पूजा उनके सहगामियों के साथ करूंगा।' व्रती को किसी धातु की कृष्ण प्रतिमा बनवानी चाहिए, प्रतिमा के गालों का स्पर्श करना चाहिए और मंत्रों के साथ उसकी प्राण प्रतिष्ठा करनी चाहिए। मंत्र के साथ देवकी व उनके शिशु श्री कृष्ण का ध्यान करना चाहिए तथा वसुदेव, देवकी, नन्द, यशोदा, बलदेव एवं चण्डिका की पूजा स्नान, धूप, गंध, नैवेद्य आदि के साथ एवं मंत्रों के साथ करनी चाहिए। इसके बाद प्रतीकात्मक ढंक से जातकर्म, नाभि छेदन, षष्ठीपूजा एवं नामकरण संस्कार आदि करने चाहिए। तब चन्द्रोदय (या अर्धरात्रि के थोड़ी देर उपरान्त) के समय किसी वेदिका पर अर्ध्य देना चाहिए, यह अर्ध्य रोहिणी युक्त चन्द्र को भी दिया जा सकता है, अर्ध्य में शंख से जल अर्पण होता है, जिसमें पुष्प, कुश, चन्दन लेप डाले हुए रहते हैं। इसके उपरान्त व्रती को चन्द्र का नमन करना चाहिए और वासुदेव के विभिन्न नामों वाले श्लोकों का पाठ करना चाहिए। व्रती को रात्रि भर कृष्ण की प्रशंसा के स्रोतों, पौराणिक कथाओं, गानों में संलग्न रहना चाहिए। दूसरे दिन प्रातः काल के कृत्यों के सम्पादन के उपरान्त, कृष्ण प्रतिमा का पूजन करना चाहिए, ब्राह्मणों को भोजन देना चाहिए, सोना, गौ, वस्त्रों का दान, 'मुझ पर कृष्ण प्रसन्न हों' शब्दों के साथ करना चाहिए। कृष्ण प्रतिमा किसी ब्राह्मण को दे देनी चाहिए और पारण करने के उपरान्त व्रत को समाप्त करना चाहिए।

रसखान

रसखान का जन्म सन् 1548 में हुआ माना जाता है। उनका मूल नाम सैयद इब्राहिम था और वे दिल्ली के आस-पास के रहने वाले थे। कृष्ण-भक्ति ने उन्हें ऐसा मुग्ध कर दिया कि गोस्वामी विटठलनाथ से दीक्षा ली और ब्रजभूमि में जा बसे। सन् 1628 के लगभग उनकी मृत्यु हुई।

सुजान रसखान और प्रेमवाटिका उनकी उपलब्ध कृतियाँ हैं। रसखान रचनावली के नाम से उनकी रचनाओं का संग्रह मिलता है।

प्रमुख कृष्णभक्त कवि रसखान की अनुरक्ति न केवल कृष्ण के प्रति प्रकट हुई है बल्कि कृष्ण-भूमि के प्रति भी उनका अनन्य अनुराग व्यक्त हुआ है। उनके काव्य में कृष्ण की रूप-माधुरी, ब्रज-महिमा, राधा-कृष्ण की प्रेम-लीलाओं का मनोहर वर्णन मिलता है। वे अपनी प्रेम की तन्मयता, भाव-विह्वलता और आसक्ति के उल्लास के लिए जितने प्रसिद्ध हैं उतने ही अपनी भाषा की मार्मिकता, शब्द-चयन तथा व्यंजक शैली के लिए। उनके यहाँ ब्रजभाषा का अत्यंत सरस और मनोरम प्रयोग मिलता है, जिसमें जरा भी शब्दाडंबर नहीं है।

आजादी के 70 वर्ष

प्रत्येक वर्ष भारत में 15 अगस्त को स्वन्त्रता दिवस के रुप में मनाया जाता है। भारत के लोगों के लिये ये दिन बहुत महत्वपूर्ण होता है। वर्षों की गुलामी के बाद ब्रिटिश शासन से इसी दिन भारत को आजादी मिली। 15 अगस्त 1947 को ब्रिटिश साम्राज्य से देश की स्वतंत्रता को सम्मान देने के लिये पूरे भारत में राष्ट्रीय और राजपत्रित अवकाश के रुप में इस दिन को घोषित किया गया है।

हालाँकि अंग्रेजों से आजादी पाना भारत के लिये आसान नहीं था। लेकिन कई महान लोगों और स्वतंत्रता सेनानियों ने इसे सच कर दिखाया। अपने सुख, आराम और आजादी की चिंता किये बगैर उन्होंने अपने भावी पीढ़ी की आजादी के लिये अपना जीवन बलिदान कर दिया। पूर्ण स्वराज प्राप्त करने के लिये हिंसात्मक और अहिंसात्मक सहित इन्होंने कई सारे स्वतंत्रता आंदोलन को आयोजित किये तथा उस पर कार्य किया। आजादी के बाद भारत से पाकिस्तान अलग बँट गया जो कि हिंसात्मक दंगों को भी साथ लाया। अपने घरों से लोगों का विस्थापन (15 लाख लोगों से अधिक) और बड़ी संख्या में जनहानि का कारण ये डरावना दंगा था।

इस दिन पर, सभी राष्ट्रीय, राज्य तथा स्थानीय सरकार के कार्यालय, बैंक, पोस्ट ऑफिस, बाजार, दुकानें, व्यापार, संस्थान आदि बंद रहते है। हालाँकि, सार्वजनिक परिवहन बिल्कुल प्रभावित नहीं होता है। इसे बहुत उत्साह के साथ भारत की राजधानी दिल्ली में मनाया जाता है जबकि स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक समुदाय तथा समाज सहित दूसरे शिक्षण संस्थानों में भी मनाया जाता है।

भारत में स्वतंत्रता दिवस का महत्व और प्रतीकः स्वतंत्रता दिवस प्रतीक है भारत में पतंग उड़ाने के खेल का।

अनगिनत विभिन्न आकार, प्रकार और स्टाईल के पतंगों से भारतीय आकाश पट जाता है। इनमें से कुछ तिरंगे के तीन रंगो में भी होता है जो राष्ट्रीय ध्वज को प्रदर्शित करता है। स्वतंत्रता दिवस का दूसरा प्रतीक नई दिल्ली का लाल किला है जहाँ 15 अगस्त 1947 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु ने तिरंगा फहराया था।

1947 में ब्रिटीश शासन से भारत की आजादी को याद करने के लिये हम स्वतंत्रता दिवस को मनाते है। 15 अगस्त भारत के पुनर्जन्म जैसा है। ये वो दिन है जब अंग्रेजों ने भारत को छोड़ दिया और इसकी बागडोर हिन्दूस्तानी नेताओं के हाथ में आयी। ये भारतीयों के लिये बेहद महत्वपूर्ण दिन है और भारत के लोग इसे हर साल पूरे उत्साह के साथ मनाते है।

बिहारी

महाकवि बिहारीलाल का जन्म 1603 के लगभग ग्वालियर में हुआ। उनके पिता का नाम केशवराय था व वे माथुर चौबे जाति से संबंध रखते थे।

बिहारी का बचपन बुंदेल खंड में बीता और युवावस्था ससुराल मथुरा में व्यतीत की। उनके एक दोहे से उनके बाल्यकाल व यौवनकाल का मान्य प्रमाण मिलता है

जनम ग्वालियर जानिए खंड बुंदेले बाल।

तरुनाई आई सुघर मथुरा बसि ससुराल।।

कहा जाता है कि जयपुर-नरेश मिर्जा राजा जयसिंह अपनी नयी रानी के प्रेम में इतने डूबे रहते थे कि वे महल से बाहर भी नहीं निकलते थे और राज-काज की ओर कोई ध्यान नहीं देते थे।

मंत्री आदि लोग इससे बड़े चिंतित थे, किंतु राजा से कुछ कहने को शक्ति किसी में न थी। बिहारी ने यह कार्य अपने ऊपर लिया। उन्होंने निम्नलिखित दोहा किसी प्रकार राजा के पास पहुंचाया

अनमोल वचन

★ सभी महापुरुषों में एक के बाद दूसरे का आविर्भाव होता है-अंत में उनकी शक्ति का चरम फलस्वरूप ऐसा कोई शक्ति सम्पन्न पुरुष आविर्भूत होता है, जो जगत् को शिक्षा प्रदान करता है।

★ आध्यात्मिक दृष्टि से विकसित हो चुकने पर धर्मसंघ में बने रहना अवांछनीय है। उससे बाहर निकलकर स्वाधीनता की मुक्त वायु में जीवन व्यतीत करो। मुक्ति-लाभ के अतिरिक्त और कौन सी उच्चावस्था का लाभ लिया जा सकता है?

★ देवदूत कभी कोई बुरे कार्य नहीं करते, इसलिए उन्हें कभी दंड भी प्राप्त नहीं होता, अतएव वे मुक्त भी नहीं हो सकते। सांसारिक धक्का हमें जगा देता है, वहीं इस गत स्वप्न को भंग करने में सहायता पहुंचाता है। इस प्रकार के लगातार आघात ही इस संसार से छुटकारा पाने की अर्थात् मुक्ति -लाभ करने की हमारी आकांक्षा को जाग्रत करते हैं।

सुविचार

अपने गुणों पे घमंड के कारण, व्यक्ति दूसरों के अवगुणों को देखता है और दूसरों के अवगुणों को देख कर, व्यक्ति का घमंड और अधिक मजबूत हो जाता है

अर्जुन में ऐसी क्या खास बात थी, जो...

श्रीमद् भगवद् गीता में अनेक प्रकार की योग पद्धतियां बताई गई हैं भक्ति योग, कर्म योग, ज्ञान योग, हठ योग। योग शब्द का अर्थ होता है 'जोड़ना'। इसका अर्थ है की कैसे हम अपने को ईश्वर से जोड़ें। यह ईश्वर से पुनः जुड़ने या संबंध बनाने का साधन है। कालक्रम से श्रीकृष्ण द्वारा दिया गया यह योग लुप्त हो गया था। ऐसा क्यों हुआ? क्या जिस समय श्री कृष्ण अर्जुन से श्री गीता कह रहे थे उस समय विद्वान साधु नहीं थे? क्यों नहीं थे। उस समय अनेक साधु-संत थे। क्या उस समय विद्वान नहीं थे? विद्वान भी थे।

तो फिर यह ज्ञान लुप्त कैसे हो गया? भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन ऐसा क्यों कहते हैं की यह ज्ञान लुप्तप्राय हो गया है?

'लुप्त' का अर्थ है कि भगवद्-गीता का तात्पर्य (सार) लुप्त हो गया था। भले ही विद्वान-वृन्द अपनी-अपनी मान्यताओं के अनुसार गीता की व्याख्या प्रस्तुत करें, किन्तु यह व्याख्या भगवद गीता नहीं हो सकती। श्री कृष्ण इसी बात को बल दे रहे हैं। कोई व्यक्ति दुनियावी दृष्टि से अच्छा विद्वान हो सकता है, किन्तु इतने से वह भगवद् गीता पर टीका लिखने का अधिकारी नहीं बन सकता। श्रीमद् भगवद् गीता को समझने के लिए हमें शिष्य-परम्परा को मानना होगा। हमें भगवद् गीता की आत्मा में प्रविष्ट करना है, न की पाण्डित्य की दृष्टि से इसे देखना है।

श्रीकृष्ण ने सारे लोगों में से इस ज्ञान के लिए अर्जुन को ही सुपात्र क्यों समझा? अर्जुन न तो कोई विद्वान था, न योगी और न ही ध्यानी। वह तो युद्ध में लड़ने के लिए शूरवीर था। उस समय अनेक महान ऋषि जीवित थे और श्रीकृष्ण चाहते तो उन्हें भगवद् गीता का ज्ञान प्रदान कर सकते थे।

इसका उत्तर यही है कि सामान्य व्यक्ति होते हुए भी अर्जुन की सबसे बड़ी विशेषता थी भक्तोऽसि मे सखा चेति - 'तुम मेरे भक्त तथा सखा हि।'

यह अर्जुन की अतिरिक्त विशेषता थी जो बड़े से बड़े साधु में नहीं थी। अर्जुन को ज्ञात था कि कृष्ण श्री भगवान हैं, अतः उन्होंने उन्हें अपना गुरु मानकर अपने आपको समर्पित कर दिया। भगवान श्रीकृष्ण का भक्त बने बिना कोई व्यक्ति भगवद् गीता को नहीं समझ सकता। उसे श्री गीता में ही संस्तुत विधि से समझना होगा, जिस प्रकार अर्जुन ने समझा था। यदि हम इसे भिन्न प्रकार से समझना चाहते हैं या इसकी भिन्न व्याख्या करना चाहते हैं तो वह हमारे पाण्डित्य का प्रदर्शन हो सकती है, भगवद् गीता नहीं।

दिनचर्या में शामिल करें ये काम

सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।

प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लम्बी सांस लें।

इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें। भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डाइनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त-दुरुस्त रहता है।

खाना खाते वक्त टैलीविजन देखें इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टैलीविजन देखने की बजाय पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।

दवाइयां डाइनिंग टेबल पर न रखें ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक हैं। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।

यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों तो ऐसा टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी अलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।

भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोई घर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोई घर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुक्सान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।

रसोई घर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें जिससे भोजन सुपाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा।

जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है

दुनिया के सबसे खूबसूरत और अजीबोगरीब घर

हर कोई चाहता हैं कि उनका घर बहुत ही खूबसूरत दिखें। घर को सुंदर बनाने के लिए बहुत ज्यादा पैसे खर्च कर देते हैं। दुनिया के सबसे खूबसूरत और अजीबो-गरीब घरों के बारे में..

वी डब्ल्यू बीटल हाउस

यह घर ऑस्ट्रिया में बना है। इसे 2003 में मारकस वोगलेटर ने खरीद कर तैयार किया है। यह घर पूरी तरह से इको-फ्रेंडली और सौर ऊर्जा से चलित है। अब इसकी कीमत लगभग 94 करोड़ है।

मशरूम हाउस

ओहियो में आर्किटेक्चर पढ़ाने वाले टैरी ब्राउन ने इस घर को 1996 से 2006 के बीच बनाया था। वह इस घर में अपनी वीकेंड को बिताने के लिए ही आते थें। जब 2008 में उनकी मौत हो गई थी तो इस घर को 2012 में बेच दिया गया था। इस घर की कीमत लगभग ढाई करोड़ रुपए है।

डॉग बार्क इन

जो लोग डॉग्स को पसंद करते हैं उन्हें यह घर बहुत ही अच्छा लगेगा। 2003 में इडाहो के कॉटनवुड में इस घर को एक जाड़ी चेनसॉ ऑर्टिस्ट फ्रांसिस कोंकलिन और डैनिस सोलेवियन ने बनाया था। यह दोनों ही कुत्ते की छोटी-छोटी मूर्तियों को बेचते थें, जिसके कारण इन्होंने डॉग की शेप का घर बनाया था।

पैलेस ऑफ बबल्स

फ्रांस में बना यह घर 50 साल पुराना है। इस घर का इस्तेमाल बड़े फैशन इवेंट्स और शादियों के लिए किया जाता है। इस घर में 29 कमरे हैं जिनमें गोल पलंग लगाए गए हैं। अगर आप यहां पर अपनी छुट्टियां बिताना चाहते हैं तो एक दिन रहने का किराया 74 हजार रुपए है। इस घर की कीमत लगभग 60 करोध रुपए है।

केतली के आकार का घर

वाशिंगटन में इस घर को 1922 में बनाया गया था, जो अभी भी देखने में बहुत ही खूबसूरत लगता है।

पर्यटन और आस्था का संगम...

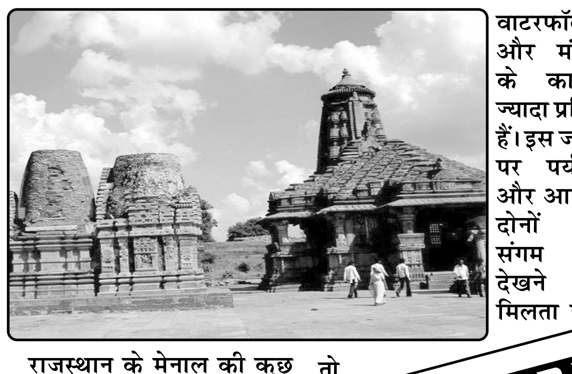

राजस्थान के मेनाल की कुछ ऐसी जगहों को बारें में बताएगें, जों पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बनी हैं। वैसे तो मेनाल छोटा सा स्थान है पर यह अपने प्राकृतिक सौन्दर्य, अलौकिक, नैसर्गिक वैभव, वाटरफॉल और मंदिर के कारण ज्यादा प्रसिद हैं। इस जगह पर पर्यटन और आस्था दोनों का संगम भी देखने के मिलता है। तो आइए जानते हैं इसके बारें में...

बूंदी

चित्तौड़ राजमार्ग पर बूंदी से करीब 100 किलोमीटर और चित्तौड़ से 70 किलोमीटर की दूरी पर मेनाल स्थान है। मेनाल की ग्रेनाइट की सख्त चट्टानों से 100 फीट गहरा पानी नीचें की और गिरता है। इस नदीं का पानी जिस जगह पर गिरता है, ठीक उसी स्थान पर नदी के पाट के दाहिनी ओर महानाल मठ और शिवालय है। यहां पर महानाल मंदिर में बहुत सारे अन्य मंदिर भी बने हैं। इन मंदिरों का निर्माण अजमेर और दिल्ली के चौहान वंशी राजाओं ने करवाया था।

यहां का सबसे सुंदर महानालेश्वर मंदिर शिव को समर्पित है। यह मंदिर भूमिज शैली में बना है और इसके सामने एक छतरी के नीचे नंदी की बड़ी सी मूर्ति बनी है। इस मंदिर की दीवारों पर शेरों, अप्सराओं, हाथियों आदि की जीवंत कलात्मक मूर्तियां लगाई गई हैं और पास के पत्थरों पर बेल-बूटे बने हैं।

उम्मेद भवन पैलेस

यहां पर घुमने के लिए बहुत सारे मशहूर स्थान हैं, जैसे कि तारागढ़ किला, बूंदी महल, रानीजी-की-बावडी आदि। इन महलों की दीवारों पर रासलीला की कहानियों के दृश्यों को दर्शाते चित्र बने हैं। इस महलों की वदह से ही चित्तौड़गढ़ मशहूर स्थान जाना जाता है। यहां पर रुकने के लिए होटल भी मिल जाते हैं। हर साल यहां पर पर्यटकों का आना-जाना लगा रहता है। इस जगह पर बरसात के दिनों में जरूर आना चाहिएं क्योंकि तब चारों तरफ गहरी हरियाली के बीच मेनाल बहुत ही खूबसूरत लगता है।

कहानी

एक बार एक आदमी महात्मा बुद्ध के पास पहुंचा। उसने पूछा, 'प्रभु, मुझे यह जीवन क्यों मिला? इतनी बड़ी दुनिया में मेरी क्या कीमत है?'

बुद्ध उसकी बात सुनकर मुस्कुराए और उसे एक चमकीला पत्थर देते हुए बोले, 'जाओ, पहले इस पत्थर का मूल्य पता करके आओ। पर ध्यान रहे, इसे बेचना नहीं, सिर्फ मूल्य पता करना है।'

वह आदमी उस पत्थर को लेकर एक आम वाले के पास पहुंचा और उसे पत्थर दिखाते हुए बोला, 'इसकी कीमत क्या होगी?'

आम वाला पत्थर की चमक देखकर समझ गया कि अवश्य ही यह कोई कीमती पत्थर है लेकिन वह बनावटी आवाज में बोला, ''देखने में तो कुछ खास नहीं लगता, पर मैं इसके बदले 10 आम दे सकता हूं।' वह आदमी आगे बढ़ गया। सामने एक सब्जी वाला था। उसने उससे पत्थर का दाम पूछा। सब्जी वाला बोला, 'मैं इस पत्थर के बदले एक बोरी आलू दे सकता हूं।'

आदमी आगे चल पड़ा। उसे लगा पत्थर कीमती है, किसी जौहरी से इसकी कीमत पता करनी चाहिए। वह एक जौहरी की दुकान पर पहुंचा और उसकी कीमत पूछी। जौहरी उसे देखते ही पहचान गया कि यह बेशकीमती रूबी पत्थर है, जो किस्मत वाले को मिलता है। वह बोला, 'पत्थर मुझे दे दो और मुझसे 1 लाख रु. ले लो।'

उस आदमी को अब तक पत्थर की कीमत का अंदाजा हो गया था। वह बुद्ध के पास लौटने के लिए मुड़ा। जौहरी उसे रोकते हुए बोला, 'अरे रुको तो भाई, मैं इसके 50 लाख दे सकता हूं।'

लेकिन वह आदमी फिर भी नहीं रुका। जौहरी किसी कीमत पर उस पत्थर को अपने हाथ से नहीं जाने देना चाहता था, वह उछल कर उसके आगे आ गया और हाथ जोड़ कर बोला, 'तुम यह पत्थर मुझे दे दो, मैं 1 करोड़ रुपए देने को तैयार हूं।'

वह आदमी जौहरी से पीछा छुड़ा कर जाने लगा। जौहरी ने पीछे से अवाज लगाई, 'ये बेशकीमती पत्थर है, अनमोल है। तुम जितने पैसे कहोगे, मैं दे दूंगा।' यह सुनकर वह आदमी हैरान-परेशान हो गया। वह सीधा बुद्ध के पास पहुंचा और उन्हें पत्थर वापस करते हुए सारी बात कह सुनाई।

बुद्ध मुस्कुरा कर बोले, 'आम वाले ने इसकी कीमत '10 आम लगाई', सब्जी वाले ने 'एक बोरी आलू' और जौहरी ने बताया कि 'अनमोल' है। इस पत्थर के गुण जिसने जितने समझे, उसने उसकी उतनी कीमत लगाई।

ऐसे ही यह जीवन है। हर आदमी एक हीरे के समान है। दुनिया उसे जितना पहचान पाती है, उसे उतनी महत्ता देती है ...लेकिन आदमी और हीरे में एक फर्क यह है कि हीरे को कोई दूसरा तराशता है और आदमी को खुद अपने आपको तराशना पड़ता है। ...तुम भी अपने आपको तराश कर अपनी चमक बिखोरो, तुम्हें भी तुम्हारी कीमत बताने वाले मिल ही जाएंगे।'

गरुड़ पुराण के अनुसार...

गोमूत्रं गोमयं दुग्धं गोधूलिं गोष्ठगोष्पदम।

पक्कसस्यान्वितं क्षेत्रं दृष्टा पुण्यं लभेद् धुवम्।।

अर्थात- गोमूत्र, गोबर, गोदुग्ध, गोधूली, गोशाला, गोखुर और पके हुए हरे-भरे खेत नजर भर देख लेने से पुण्य प्राप्त होता है।

जानें कैसे बिना कुछ खर्च किए मात्र नजर भर इनको देख लेने से कैसे मिलता है अक्षय पुण्य और इन से संबंधित उपाय करने से प्राप्त होता है अक्षय पुण्य।

गौमूत्र

गौमूत्र में गंगा मईया वास करती हैं। गंगा को सभी पापों का हरण करने वाली माना गया है। वास्तु दोष आपको काफी कष्ट दे सकता है लेकिन वास्तु दोष निवारण के महंगे उपायों को अपनाने से बेहतर है आप घर में गौमूत्र का छिड़काव करें। जिससे आपके बहुत सारे वास्तु दोषों का समाधान एक साथ हो जाएगा। गाय को मूत्र करते देखने से ही पुण्य-लाभ होता है।

गोबर

ब्रह्मवैवर्तपुराण के अनुसार गौ के पैरों में समस्त तीर्थ व गोबर में साक्षात माता लक्ष्मी का वास माना गया है। मन में श्रद्धा रखकर गाय के गोबर को देखने से पुण्य की प्राप्ति हो जाती है।

गौदुग्ध

गाय को माता माना गया है इसलिए गौमाता का दूध पवित्र और पूजनीय है। आयुर्वेद में देशी गाय के ही दूध, दही और घी व अन्य तत्त्वों का प्रयोग होता है। जो व्यक्ति गाय को दूा देते हुए देख ले उसे शुभ फल प्राप्त होते हैं।

गौधुली

जब गाय अपने पैरों से जमीन खुरचती है तो जो धूल उड़ती है उसे गोधूली कहा जाता है। वो धूल पावन होती है उसे देखने मात्र से ही व्यक्ति पुण्य का भागी बन जाता है।

गौशाला

जहां बहुत सारी गाय संयक्त रूप से रहती हैं उस स्थान को गौशाला कहा जाता है। भगवान श्रीकृष्ण के धाम जाने का सरलतम माध्यम है प्रतिदिन गौ सेवा करना। रोजाना गौशाला को मंदिर समान भाव से नमन करने से अक्षय पुण्य मिलता है।

गोखुर

जब गौ अपने पैर के नीचे से जमीन खुरचती है उस प्रक्रिया को गोखुर कहा जाता है। गौ माता के पैरों में लगी मिट्टी का जो व्यक्ति नित्य तिलक लगाता है, उसे किसी भी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि उसे सारा फल उसी समय वहीं प्राप्त हो जाता है।

पकी हुई खेती

खुली जमीन पर चारों ओर फैले हरे-भरे खेत अपनी अलग ही अद्भुत छटा बिखेरते हैं। उन्हें देखने से जहां सुकुन की प्राप्ति होती है वहीं पुण्य के भागी भी बना जा सकता है।

तारों में ऊंचा स्थान 'ध्रुव तारे' को क्यों मिला

भक्त ध्रुव का नाम प्रेरणा पुंज बालकों में सर्वप्रथम स्मरण आता है। ध्रुव के पिता का नाम राजा उत्तानपाद था। उनकी माता का नाम सुनीति था। उनकी दूसरी सौतेली माता का नाम सुरुचि था। रानी सुरुचि का पुत्र उत्तम राजा को अधिक प्रिय था, ध्रुव को वह उतना नहीं चाहते थे। राजा उत्तानपाद एक दिन राज सिंहासन पर बैठे थे। उनकी गोदी में ध्रुव का सौतेला भाई बैठा था। ध्रुव ने भी राजा की गोदी में बठने की जिद की। रानी सुरुचि ने उसे रोक दिया और कहा, 'राजा की गोद मेरे ही पुत्र के योग्य है। ध्रुव यदि तुम उस पर बैठना चाहते हो तो 'इतने पुण्य' संचित करो तभी तुम उसके योग्य हो सकते हो।' बालक ध्रुव बड़ा ही स्वाभिमानी था। उसे रानी की दुत्कार ने झकझोर दिया।

बालक ध्रुव ने प्रतिज्ञा की, 'मैं दूसरों के द्वारा दिए गए स्थान को ग्रहण नहीं करूंगा। मैं परिश्रम और तपस्या से अपना स्थान स्वयं बनाऊंगा तथा ऐसा स्थान प्राप्त करूंगा जो किसी और ने आज तक प्राप्त नहीं किया होगा।

ध्रुवकी माता ने उसे 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय' का मंत्र दिया। बालक ध्रुव ने घोर तपस्या की और अंत में भगवान विष्णु ने उसे दर्शन दिए और 'वर' मांगने को कहा। ध्रुव ने कहा- हे प्रभु! मुझे ऐसा पद दीजिए जो सब पदों से ऊंचा हो। अपना अलग महत्व रखता हो तथा जिस पद पर आज तक कोई विराजमान न हुआ हो। विष्णु ने उसे सब तारों के बीच सर्वोच्च स्थान दिया। वह 'ध्रुव का तारा' बन कर अमर हुआ। ध्रुव तारे को सब तारों में सबसे ऊंचा स्थान प्राप्त है।

सीबीआई जांच में भी राजनीति

राजेश गुप्ता

एक प्रतिभाशाली नौजवान की रहस्यमयी आत्महत्या की जांच को लेकर जिस प्रकार की घिनौनी राजनीति इस समय महाराष्ट्र सरकार द्वारा की जा रही है वह निश्चित रूप से हमारी सरकार एवं शासन व्यवस्था पर एक सवालिया निशान खड़ा करने वाला है। इस प्रकार का छल-प्रपंच राजनीति एवं व्यवस्था से जनता का भरोसा खत्म कर देता है। सुशांत की आत्महत्या के मामले में जिस प्रकार की जांच मुंबई पुलिस द्वारा की जा रही थी वह निश्चित रूप से हास्यास्पद थी। मुंबई पुलिस जिस प्रकार से जांच कर रही थी वह इस बात को सिद्ध करने का प्रयास कर रही थी कि सुशांत फिल्मों में अपने करियर को लेकर परेशान थे एवं उनको फिल्मी दुनिया के एक वर्ग द्वारा जानबूझकर दरकिनार करने का प्रयास किया जा रहा था। इस प्रकार की जांच से कुछ भी हासिल होने वाला नहीं था। यदि मान भी लिया जाए कि करण जौहर, सलमान खान, महेश भट्ट जैसे लोगों द्वारा जानबूझकर सुशांत को अपनी फिल्मों में रोल नहीं दिया जा रहा था एवं उनके मनोबल को तोड़ने की कोशिश की जा रही थी तो भी उनको सुशांत की आत्महत्या के लिए कटघरे में खड़ा करना लगभग असंभव है। किसी भी प्रकार की जांच उन्हें दोषी साबित नहीं कर सकती। कोई फिल्म निर्माता किसको काम दे या ना दे उसका निर्णय है। वह अपने पात्रों का चयन करने के लिए 100 लोगों से बातचीत करता है लेकिन चुनता दो-चार लोगों को है। फिल्म में न चुने जाने वाले 95 लोगों में से कोई मानसिक तनाव का सामना करने लगे तो क्या इसके लिए फिल्म निर्माता या निर्देशक को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। अपनी पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, व्यावसायिक कठिनाइयों की वजह से बहुत सारे लोग मानसिक तनाव का सामना करते हैं एवं जो उनका सामना नहीं कर पाते वह आत्महत्या जैसा कदम भी उठा लेते हैं। आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया तो जा सकता है लेकिन उसे साबित करना अत्यंत कठिन काम है। लेकिन यदि किसी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर किसी के साथ ऐसा व्यवहार किया जाए जिससे वह व्यक्ति आत्महत्या के लिए विवश हो जाए तो उसको दोषी माना जाना चाहिए एवं अनेक मामलों में आत्महत्या के लिए उकसाने के लिए न्यायालयों द्वारा दोष सिद्ध होने पर सजा भी दी गई है। इसीलिए सुशांत की आत्महत्या के मामले की जांच इसी बात को ध्यान में रखकर की जानी चाहिए थी कि क्या किसी ने जानबूझकर सुशांत को आत्महत्या करने के लिए विवश किया अथवा उसकी हत्या करके आत्महत्या के रूप में दिखाने की कोशिश तो नहीं की गई है।

दुर्भाग्यवश पिछले 25 दिनों से इस मामले में मुंबई पुलिस द्वारा जिस प्रकार जांच की जा रही थी वह बेहद निराशाजनक थी एवं स्पष्ट रूप से जांच की दिशा को भटकाने वाली थी। मुंबई पुलिस की जांच से निराश हो सुशांत के पिता द्वारा पटना में सुशांत की हत्या की साजिश रचने के आरोप में रिया चक्रवर्ती के खिलाफ नामजद रिपोर्ट लिखवाई गई। जिसके बाद पूरे मामले में एक गहरी साजिश स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी। यह बात भी समझ से परे है कि मुंबई पुलिस द्वारा एक एफआईआर के बाद जांच के लिए मुंबई पहुंची बिहार पुलिस के साथ सहयोग क्यों नहीं किया गया एवं बिहार पुलिस के आईपीएस अधिकारी को जांच में हस्तक्षेप करने से रोकने के लिए कोरंटाइन करने का बहाना क्यों बनाया गया। बिहार पुलिस द्वारा की गई जांच के बाद मुंबई पुलिस पर दबाव बना एवं मीडिया द्वारा जब मुंबई पुलिस के रवैए के प्रति सवाल खड़े किए जाने लगे तब उसे भी अपनी जांच की दिशा बदलने के लिए विवश होना पड़ा। मुंबई पुलिस कह रही है कि वह किसी को बचाने का प्रयास नहीं कर रही है तो उसे बिहार पुलिस की जांच से डर क्यों लग रहा है। मीडिया में इस बात की खुलकर चर्चा हो रही है कि सुशांत की आत्महत्या नहीं वरन हत्या हुई है एवं इसका संबंध उनकी पूर्व मैनेजर दिशा की आत्महत्या से जुड़ा हुआ है। सवाल उठता है कि यदि महाराष्ट्र सरकार सुशांत की आत्महत्या के मामले के सच को उजागर करना चाहती है तो वह पूरे मामले की जांच सीबीआई को सौंपने से क्यों बच रही है। इस मामले में आदित्य ठाकरे द्वारा बयान जारी कर कहा गया है कि उनका इस पूरे मामले से कोई लेना-देना नहीं है। यदि आदित्य ठाकरे वास्तव में इस पूरे मामले से अलग हैं एवं उनका कोई लेना देना नहीं है तो सबसे पहले स्वयं उनको महाराष्ट्र सरकार से अनुरोध करना चाहिए कि वह पूरे मामले की जांच सीबीआई को सौंप दे। अभी तक महाराष्ट्र सरकार मुंबई पुलिस से ही जांच करवाने पर अड़ी हुई है जबकि बिहार सरकार द्वारा सीबीआई जांच की सिफारिश केंद्र सरकार को कर दी गई, जिसे केंद्र सरकार द्वारा स्वीकार भी कर लिया गया है। सच्चाई तो यह है कि सीबीआई जांच को भी राजनीतिक दलों एवं सरकारों द्वारा सियासी मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जाता है। किस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी जाए इसका निर्णय करने का अधिकार राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार की बजाय न्यायालय को होना चाहिए। विशेष रूप से जिस मामले में किसी सरकार के ताकतवर अधिकारी अथवा नेता का नाम शामिल हो उसकी जांच सीबीआई से करवाने का निर्देश देश के सर्वोच्च न्यायालय को स्वत: देने की व्यवस्था विकसित करनी चाहिए, जिससे न्यायपालिका के प्रति सम्मान की भावना समाज में विकसित हो सके।

E-mail : rgupta@nnsonline.com

कोविड-19 महामारी में हर्ड इम्युनिटि को लेकर वैज्ञानिकों का बड़ा दावा, कही ये बात

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और मुंबई में सीरो सर्वेक्षणों में कोरोना वायरस महामारी से सामुदायिक स्तर पर बचाव होने की उम्मीदों के बीच वैज्ञानिकों ने कहा है कि देश में कोविड-19 के खिलाफ सामूहिक रोग प्रतिरोधक क्षमता (हर्ड इम्युनिटी) अनेक सामाजिक-आर्थिक समूहों को देखते हुए कुछ इलाकों में ही विकसित हो सकती है और लंबे समय के बजाय कम समय तक रह सकती है।

बता दें कि हर्ड इम्युनिटी तब विकसित होती है जब किसी सामान्य तौर पर 70 से 90 फीसद लोगों में किसी संक्रामक बीमारी से ग्रसित होने के बाद उसके प्रति रोग प्रतिरक्षा क्षमता विकसित हो जाती है। लेकिन जहां तक नोवेल कोरोना वायरस की बात है तो ऐसे अनेक मुद्दे हैं जिनके कारण इस विषय पर आम-सहमति नहीं बन पा रही है।

वेलकम ट्रस्ट/डीबीटी इंडिया अलायंस के सीईओ और विषाणु

हर्ड इम्युनिटी तब विकसित होती है जब किसी सामान्य तौर पर 70 से 90 फीसद लोगों में किसी संक्रामक बीमारी से ग्रसित होने के बाद उसके प्रति रोग प्रतिरक्षा क्षमता विकसित हो जाती है।

विज्ञानी शाहिद जमील ने कहा, 'ऐसे कोई स्पष्ट आंकड़े नहीं हैं जिनसे पता चल सके कि कितनी फीसद आबादी के संक्रमित होने पर हर्ड इम्युनिटी विकसित हो सकेगी। कई महामारी विशेषज्ञों का मानना है कि सार्स-सीओवी-2 के लिए यह लगभग 60 फीसद होगी।' उन्होंने कहा देश के विभिन्न हिस्सों में हर्ड इम्युनिटी अलग-अलग वक्त पर हासिल होगी।

साइंस नाम के जर्नल में हाल में प्रकाशित एक अनुसंधान में पता चला कि कोविड-19 के खिलाफ हर्ड इम्युनिटी पहले के अनुमान के मुकाबले कम संख्या में संक्रमित लोगों के साथ भी हासिल की जा सकती है। सीएसआईआर-आईआईसीबी, कोलकाता में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विषाणु विज्ञानी उपासना रे बताती हैं, 'हर्ड इम्युनिटी इस बात से तय होती है कि आबादी में कितने लोगों में एक संक्रमण के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हुई है। इससे आबादी के उन लोगों में परोक्ष रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो जाती है जो कभी संक्रमण के संपर्क में नहीं आए। इसका निश्चित यह अर्थ है कि जितने अधिक लोग संक्रमित होंगे और उनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होगी, तो बाकी आबादी के संक्रमित होने का जोखिम उतना ही कम होगा।'

नई दिल्ली स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्युनोलॉजी में रोग प्रतिरक्षा विज्ञानी सत्यजीत रथ कहते हैं, 'भारत में जहां सामाजिक-आर्थिक समूहीकरण हैं, वहां हर्ड इम्युनिटी के पूरे देश में एकसाथ विकसित होने के बजाए अलग-अलग हिस्सों में विकसित होने की संभावना है और हो सकता है कि यह लंबे समय तक बनी नहीं रहे।'

इम्युनिटी बढ़ाने वाले काढ़े के ओवरडोज से बचें, हो सकता है ये नुकसान

कोरोना के संक्रमण से खुद को बचाने के लिए साधना जैन दिन में कई बार काढ़ा पीने के साथ-साथ विटामिन सी की टेबलेट भी खाया करती थीं। ये सिलसिला कई महीनों तक चला लेकिन फिर उनके सामने नई मुश्किलें खड़ी हो गईं। कॉन्स्टिपेशन, पेट दर्द जैसी समस्या उन्हें लगातार परेशान कर रही थी और जब वो डॉक्टर के पास गईं तो पता चला कि मसालों और विटामिन सी की ओवरडोज की वजह से उन्हें इस तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है।

कोरोना वायरस को मात देने के लिए सबसे बड़ा हथियार है इम्युनिटी और इम्युनिटी को बढ़ाने के लिए आजकल लोग तरह-तरह के नुस्खे आजमा रहे हैं। इसके लिए कोई अश्वगंधा, काली मिर्च, तुलसी, लौंग, लहसुन, हींग जैसे मसालों से बना काढ़ा पी रहा है? तो कोई दिन में कई बार विटामिन सी की गोलियां खा रहा है। लेकिन दवाई और काढ़े की सही मात्रा की जानकारी न होने की वजह से अब ये लोगों के लिए नई मुश्किल खड़ी हो रही है।

मेडिसिन विभाग सीनियर कंसल्टेंट डॉ. आशीष जायसवाल कहते हैं, दालचीनी, गिलोय, काली मिर्च जैसी चीजों का ओवरडोज अल्सर, पेट दर्द या सीने में जलन की वजह बन रहा है। ये लीवर को भी नुकसान पहुंचा रहा है। मसालों के ओवरडोज की वजह से पेट दर्द, पेट में अल्सर, एसिडिटी लोगों को परेशान कर रही है तो गिलोय का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल शुगर लेवल को भी कम कर रहा है।

फिक्र की बात ये है कि अगर डायबिटीज के मरीज गिलोय का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करते हैं तो ब्लड शुगर लेवल बहुत कम हो जाता है और

अस्पताल में भर्ती होने जैसी स्थिति भी पैदा हो सकती है। मसालों की ओवरडोज की वजह से प्रेग्नेंट महिलाओं का अबॉर्शन तक हो सकता है। विटामिन सी के ओवरडोज की वजह से क्रैम्प, उल्टी जैसी कई परेशानियां हो सकती हैं।

-हर रोज ढाई ग्राम हल्दी खाना सेहत के लिए अच्छा है तो इससे ज्यादा मात्रा सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है।

-अगर हर रोज 8 ग्राम या उससे ज्यादा हल्दी खाई जाए तो लूज मोशन, डायरिया, कब्ज और अल्सर जैसी बीमारी हो सकती है।

-हर रोज 1 ग्राम विटामिन सी आपको सेहतमंद रखता है तो इससे ज्यादा मात्रा किडनी को नुकसान पहुंचा सकती है और पथरी भी हो सकती है।

शहद के साथ करें इलायची का सेवन : मजबूत होगी इम्युनिटी मिलेंगे और भी फायदे

इलायची को कई रूपों में खाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक है। वहीं, इलायची के साथ अगर शहद का सेवन किया जाए तो शरीर को कई गंभीर बीमारियों से बचाए रखने का कार्य कर सकती है। इलायची का सेवन करने की सलाह इन दिनों डॉक्टर

के द्वारा भी दी जा रही है। कोरोना वायरस के इलाज में काढ़े का सेवन भी कराया जा रहा है, जिसकी सामग्री में इलायची भी शामिल है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने के साथ-साथ कोरोना वायरस के संक्रमण को जल्द से जल्द ठीक करने में भी मिलती है। वहीं, इलायची का सेवन अगर शहद के साथ किया जाए तो इससे सेहत को कई बेहतरीन फयदे मिल सकते हैं। इन विशेष फायदों के बारे में आपको विस्तारपूर्वक बताया जा रहा है।

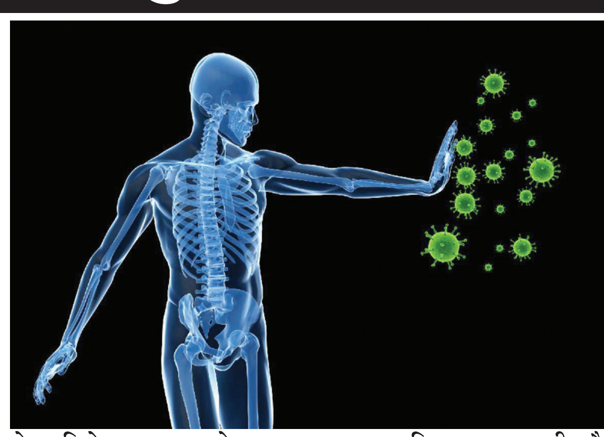

रोग प्रतिरोधक क्षमता होगी मजबूत : रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए इलायची का सेवन काफी फायदेमंद होता है। इतना ही नहीं, सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या को भी ठीक करने में यह प्रभावी रूप से कारगर साबित हो सकती है। जबकि इलायची को भूनकर अगर इसके साथ शहद का सेवन किया जाए, तो यह रोग इम्युनिटी को मजबूत बनाने के लिए भी सक्रिय रूप से कार्य करेगी।

कैंसर के जोखिम को कम करे : शहद और इलायची दोनों में एंटी कैंसर गुण पाया जाता है। यह एक ऐसा गुण है जो शरीर में बन रही कैंसर सेल्स को विकसित होने से रोकता है और कैंसर के जोखिम को कई गुना तक कम कर देता है। इस कारण यदि आप इलायची और शहद का एक साथ सेवन करते हैं, तो इससे कैंसर की समस्या को भी दूर रखने में मदद मिल सकती है।

मुंह की दुर्गंध से दिलाए छुटकारा : मुंह की दुर्गंध से कई लोग परेशान होते हैं। इसे बैड ब्रीद के नाम से भी जाना जाता है। इलायची में ऐसे औषधीय गुण मौजूद रहते हैं जिसको चबाकर खाने से मुंह से आने वाली बदबू को दूर करने में मदद मिलती है। वहीं, शहद के साथ इसका सेवन करने से ओरल हेल्थ को मेंटेन बनाए रखने में काफी मदद मिलती है।

हृदय रहेगा रोग मुक्त : दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा दिन प्रतिदिन बड़ी तेजी से बढ़ रहा है और लोग इसकी चपेट में आने के कारण अपनी जान भी गंवा देते हैं। खाने पीने की खराब आदत के साथ-साथ डेली रूटीन में शामिल कई हानिकारक क्रियाकलापों के कारण भी हृदय रोग लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। वहीं, इलायची और शहद का एक साथ सेवन करने के कारण इसमें मौजूद पोषक तत्व हृदय को मजबूत बनाए रखने और

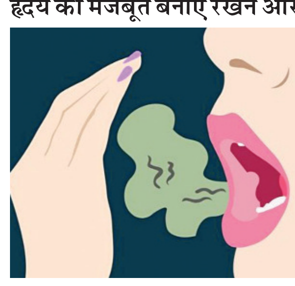

इसे बीमारियों की चपेट में आने से बचाए रखने का कार्य कर सकते हैं।

पाचन रहेगा उत्तम : पाचन क्रिया को मेंटेन बनाए रखने के लिए फाइबर युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। इसके अलावा यदि आप इलायची और शहद का एक साथ सेवन करते हैं तो इससे भी पाचन क्रिया को दुरुस्त बनाए रखने में काफी मदद मिल सकती है। इलायची और शहद भी पाचन क्रिया के लिए जरूरी पोषक तत्व फाइबर का प्रमुख स्रोत माने जाते हैं।

मेरी दिल्ली -मेरी शान

सर्वधर्म समभाव का मतलब

अक्षय गुप्ता

कांग्रेस के धर्मनिरपेक्षता के नारे का विरोध करते हुए भाजपा के नेताओं द्वारा सर्वधर्म समभाव का नारा लगाते हुए कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टीकरण करने का आरोप लंबे समय से लगाया जाता रहा है। अब भाजपा के सामने यह मौका है कि जिस उत्साह एवं उल्लास के साथ उसने अयोध्या में राम मंदिर का भूमि पूजन समारोह करते हुए निर्माण कार्य प्रारंभ करने का प्रचार-प्रसार किया है, ठीक उसी प्रकार अयोध्या में मुस्लिम समाज को न्यायालय के दिशा-निर्देश पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आवंटित की गई 5 एकड़ जमीन पर मस्जिद का निर्माण करने के लिए भी उतनी ही तैयारी के साथ कार्यक्रम का आयोजन करे। यदि भाजपा सरकार द्वारा ऐसा किया जाता है तो उसके द्वारा लगाए जाने वाला सर्वधर्म समभाव का नारा सचमुच में सार्थक होगा अन्यथा सर्वधर्म समभाव के नारे के साथ भी देश की जनता वही व्यवहार करेगी जो व्यवहार उसने धर्मनिरपेक्षता के नारे के साथ किया है। इस मामले में शुरुआत अच्छी नहीं रही है। अयोध्या में भूमि पूजन समारोह के बाद जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सवाल किया गया कि क्या वह अयोध्या में मुस्लिम समाज द्वारा बनाई जाने वाली मस्जिद के निर्माण कार्य का शुभारंभ करने के लिए आयोजित किए जाने वाले समारोह में भी इसी उत्साह के साथ शिरकत करेंगे तो योगी जी का उत्तर भाजपा के नारे के बिल्कुल प्रतिकूल था। उन्होंने कहा कि मस्जिद का निर्माण करने वाले लोगों द्वारा ना तो उनको बुलाया जाएगा एवं न ही वहां जाएंगे। किसी भी सरकार के मुख्यमंत्री के लिए इस प्रकार की सोच शोभा नहीं देती। यदि योगी आदित्यनाथ जी कह देते कि अगर मस्जिद निर्माण करने वाली संस्था द्वारा उन्हें आमंत्रित किया जाएगा तो वह अवश्य जाएंगे तो शायद वे इस देश की जनता को एक अच्छा संदेश देने का काम करते एवं प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा लगाए जाने वाले नारे सबका साथ-सबका विकास को साकार कर देते, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इस बात को भाजपा को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि यदि इस देश को विकास के पथ पर लेकर आगे बढ़ना है तो सर्वधर्म समभाव, सबका साथ-सबका विकास जैसे नारों को जमीन पर उतारने का प्रयास करना पड़ेगा। इस देश का हिंदू समाज भी कभी नहीं चाहता कि किसी भी धर्म विशेष के लोगों के प्रति ईर्ष्या एवं द्वेष भावना के साथ काम किया जाए। यदि कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाई गई मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति गलत थी तो भाजपा द्वारा चलाई जाने वाली हिंदू तुष्टीकरण की राजनीति कभी ठीक नहीं हो सकती। विविधता में एकता एवं सामाजिक समरसता भारत की विशेषता रही है एवं इस विशेषता के कारण ही भारत को तमाम गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, भुखमरी जैसी समस्याओं के बावजूद दुनिया के सबसे सुंदर देश के रूप में जाना जाता है। इसलिए भारत के लोगों का मिजाज ही इस बात की गवाही नहीं देता कि वह किसी भी व्यक्ति के साथ धर्म, जाति एवं पंथ के नाम पर भेदभाव पूर्ण व्यवहार करे।

राम मंदिर का भव्य भूमि पूजन समारोह संपन्न होने के बाद भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का यह दायित्व है कि वह मुस्लिम समाज के कट्टरपंथी नेताओं को अलग-थलग करने के लिए अपने आचरण में सर्वधर्म समभाव का रवैया अपनाने का प्रयास करे एवं अपने छुटभैय्ये नेताओं को भी उत्तेजित करने वाले बयान देने से रोकने का प्रयास करे। भाजपा के पास यह स्वर्णिम अवसर है कि वह एक शक्तिशाली भारत का निर्माण करने के लिए भारत के संविधान के मौलिक अवधारणा को समाज में लागू करने का प्रयास करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम मंदिर भूमि पूजन समारोह को संबोधित करते हुए अथवा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा अपने संबोधन में ऐसी एक भी बात नहीं कही गई जो दूसरे धर्म के लोगों को चुभने वाली हो। राम मंदिर के बाद सब ने रामराज्य की बात की, जिसमें कोई दुखी ना हो, कोई गरीब ना हो, सभी नागरिक एक दूसरे के प्रति आदर एवं प्रेम का व्यवहार करें। यह बात ठीक से समझ लेनी चाहिए कि सरकार एवं समाज में सत्ता बदलते देर नहीं लगती। इसलिए सत्ता के घमंड में किसी को भी इस बात का गुमान नहीं होना चाहिए कि उसकी सत्ता अनंत काल तक चलने वाली है। वास्तविकता यही है कि यदि आप राम जैसे राजा बनेंगे तो आपकी कीर्ति अनंत काल तक चलती रहेगी। सरकारें बदलेंगी लेकिन आपके काम को जनता की स्मृति से उतार नहीं पाएगी। बाबरी मस्जिद बनाने वालों को आज कौन याद करता है एवं कहां उनका नाम समाज में सम्मान के साथ लिया जाता है, लेकिन भगवान राम का मंदिर गिराने वाले लोग राम के आदर्शों को नहीं गिरा सकते। यही कारण है कि जिस मंदिर को गिराकर मस्जिद बनाई गई थी उससे कई गुना विशाल मंदिर पुन: बनकर तैयार होने जा रहा है। कोई सरकार कितनी ही ताकतवर क्यों ना हो वह कभी लोगों की आस्था एवं विश्वास को कभी भी गिरा नहीं सकती।

E-Mail : akshaynns@gmail.com

सरकार के बेतुके फैसले

नई दिल्ली वैश्विक महामारी को रोना के संक्रमण को रोकने के लिए सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन में वाहन चालकों को मास्क लगाना अनिवार्य है। अगर कोई अकेले भी गाड़ी चला रहा है तो उसे भी मास्क लगाना होगा। आमतौर पर लोग प्रदूषण को देखते हुए अपनी गाड़ी के शीशे बंद ही रखते हैं जिसमें एसी चलती रहती है। ऐसे में कार के अंदर मास्क लगाए रखना स्वास्थ्य के लिहाज से सही नहीं है। जिनकी अपनी निजी कार है और वह खुद गाड़ी चला रहा है तो ऐसे में मास्क लगाए रखना अनिवार्य नहीं होना चाहिए। साथ ही अगर उस कार में उसका परिवार भी चल रहा है तो भी मास्क लगाने की बाध्यता नहीं होनी चाहिए। मास्क की अनिवार्यता सिर्फ सार्वजनिक स्थलों, भीड़भाड़ वाली जगहों, कार्यालयों एवं संस्थानों आदि स्थानों पर ही होनी चाहिए। नहीं तो ऐसे बेतुके फैसले से लोगों की बेवजह परेशानी बढ़ती है और उल्टा-सीधा जुर्माना अदा करना पड़ता है। आखिर क्या व्यक्ति अब अपने घर में अपने बच्चों के साथ भी मास्क लगाकर रहेगा।

मेरी दिल्ली सप्ताहांत
मेरी दिल्ली हाउस, 25/10
ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26
आर.एन.आई. नं. : 49326/89
रजि. नं. : DL(W)05/2065/18-2020
लाइसेंस नं. : U(W)-8/2018-2020
संस्थापक : स्व. नेकी राम गुप्ता
प्रेरणास्त्रोत : स्व. केसर सिंह गुप्ता
संपादक : राजेश गुप्ता
वार्षिक शुल्क
साधारण डाक से : 200 रु.
विज्ञापन व प्रशासन
मो.-8447732401, 9899632000
इंटरनेट सर्विस: www.nnsmediagroup.com
ई-मेल : nnsonline@.nnsonline.com
स्वत्वाधिकारी एन.एन.एस. ऑनलाइन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक राजेश गुप्ता द्वारा 25/10, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-110026 से प्रकाशित तथा विभा पब्लिकेशन प्रा. लि., डी-160 बी, सेक्टर-7, नोएडा से मुद्रित
लिखित अनुमति के बिना सम्पूर्ण या आंशिक पुनर्प्रकाशन पूर्णत: प्रतिबंधित।
नोट : 'मेरी दिल्ली' में प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा।
आवश्यक सलाह : विज्ञापन में किए गए दावों के संबंध में किसी निर्णय से पहले पाठक सभी तथ्यों की समुचित जांच स्वयं कर ले। किसी भी प्रकार के लेन-देन / दावे के लिए समाचारपत्र जिम्मेवार नहीं है।
सूचना- वस्तु उपयोग व स्वास्थ्य संबंधी जानकारी की प्रामाणिकता के लिए अपने स्वास्थ्य सलाहकार या डॉक्टर की सलाह पर ही अमल करें। 'मेरी दिल्ली' प्रबंधन इसके लिए उत्तरदायी नहीं है।

Like Us even more
/MeriDelhiNews
मेरी दिल्ली

मोटापे पर भारी कोरोना संक्रमण : बढ़ते वजन संग बढ़ता है जान का खतरा

शरीर में जमा होता फैट और बढ़ता हुआ मोटापा डायबिटीज, हार्ट अटैक और जॉइंट्स पेन जैसी खतरनाक बीमारियों का कारण तो होता है, यह सब हम लोग जानते हैं। लेकिन इंग्लैंड में कोरोना संक्रमण के शिकार मरीजों में मोटापे के कारण एक अलग तरह की समस्या देखने को मिली। जिससे यह बात साबित हो रही है कि मोटापे से ग्रसित लोग यदि कोरोना की चपेट में आ जाएं तो उनकी जान को सामान्य वजनवाले लोगों की तुलना में कहीं अधिक खतरा होता है।

इंग्लैंड में जिस तरह से कोरोना संक्रमण के केस बढ़ रहे थे और लोगों को गंभीर हालत में वेंटिलेटर्स की जरूरत पड़ रही थी, उस स्थिति पर एक विस्तृत रिपोर्ट के बाद पब्लिक हेल्थ ऑफ इंग्लैंड की तरफ से कहा गया है कि जो लोग मोटापे से ग्रसित हैं, उनमें कोरोना वायरस के लक्षण अन्य मरीजों की तुलना में कहीं घातक स्तर पर देखे गए हैं। साथ ही ऐसे लोगों को इस वायरस का संक्रमण होने के बाद जान जाने का

खतरा भी अन्य लोगों की तुलना में कहीं अधिक होता है।

कोरोना संक्रमण से मोटे लोगों को जान का अधिक खतरा

पब्लिक हेल्थ ऑफ इंग्लैंड के रिव्यू में यह बात भी सामने आई है कि कोरोना से जितने मरीज संक्रमित हुए हैं, उनमें से जिन लोगों को वेंटिलेटर की जरूरत पड़ी, उनमें मोटापे से ग्रसित लोगों की संख्या बहुत अधिक थी। इस बारे में सरकार की तरफ से जारी रिलीज के आधार पर माना जा रहा है कि आनेवाले समय में सरकार की तरफ से मोटापे पर नियंत्रण के लिए कुछ कड़े कदम उठाए जा सकते हैं।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पब्लिक हेल्थ ऑफ इंग्लैंड की चीफ न्यूट्रिशनिष्ट डॉक्टर एलिसन टेस्टोन का कहना है कि इस समय हमारे सामने जो सबूत हैं, उनके आधार पर यह बात एकदम साफ है कि मोटापा और बढ़ा हुआ वजन, कोरोना संक्रमण होने पर जानलेवा साबित हो सकता है। क्योंकि यह इस संक्रमण के कारण होनेवाली स्थितियों को और अधिक गंभीर बना देता है। इसके अतिरिक्त मोटापे और बढ़े हुए वजन के कारण जीवन को जो अन्य खतरे होते हैं, वे तो बने हुए हैं ही।

कोरोना पर भी भारी मोटापा

डॉक्टर एलिसन आगे कहती हैं कि वजन को नियंत्रित रखना सेहत के लिए कई तरीकों से लाभकारी होता है। साथ ही यह कोविड-19 के संक्रमण के दौरान सेहत के लिए होनेवाले घातक खतरों से भी बचाता है। हालांकि आज तक मोटापे पर नियंत्रण के लिए किसी तरह का ठोस कदम नहीं उठाया जा सका है। पूरे यूरोप में यूके के लोग सबसे अधिक मोटापे से ग्रसित हैं। वहीं, इंग्लैंड में वयस्कों की दो-तिहाई आबादी मोटापा और बढ़े हुए वजन से जूझ रही है।

बच्चों को बारिश में ना खिलाएं ये चीजे

बरसात के मौसम में कई तरह के बीमारियां और संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है। अपनी सुरक्षा के साथ ही बच्चों की सेहत पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। खास तौर पर बच्चों के खाने-पीने की चीजों पर नजर रखना अहम है। ऐसे में हम आपको बता रहें हैं उन खाने की चीजों के बारे में जो बरसात के इस मौसम में बच्चों के लिए खतरनाक हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां : बारिश के मौसम में हरी सबजियों में बैक्टीरिया और कीड़े लगे होते हैं। जिसे खाने से पेट दर्द और अन्य शिकायते हो सकती हैं। पत्तेदार सब्जियों की जगह आप गेहूं, ओट्स, चावल, करी आदि खिला सकती हैं।

चाइनीज फूड : चाइनीज फूड से भी बच्चों को बरसात के मौसम में दूर रखें। इसमें कई तरह के ऐसे हर्बस होते हैं जो बच्चों को नुकसान पहुंचा सकता हैं।

चाट : बरसाती मौसम में चाट और पकोड़े भी खाना हानिकारक होता है। बरसात के मौसम में बच्चे ऐसे फूड पचा नहीं पाते। चाट की वजह से बच्चों को पानी जनित बीमारियां जैसे कि पीलिया, हैजा और दस्त आदि हो सकता है।

दही : दही खाने से शरीर को ठंडक मिलती है जो कि खांसी, जुकाम और गले में खराश जैसे संक्रमणों को बुलावा दे सकती है। अगर समय पर इसका इलाज न किया जाए तो अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

ललित एण्ड पार्टी
★ भगवती जागरण
★ चौकी
★ भजन संध्या
★ लेडीज़ संगीत
★ संगीत कार्यक्रम

दूरभाष : 9899193399, 25218278, 25216338
304, पॉकेट-1, पश्चिम पुरी, शक्ति मार्किट रोड़, नई दिल्ली-63
MDW/04

A COURIER with CARE
a name of Trust
AGC
Akash Ganga®
Courier Limited
MORE THAN 3000 DESTINATION
Regd. Off. :
Opp. Railway Station, Loonkaransar, Distt. Bikaner (Raj.)
Corporate Office
1310-11-12, D.B. Gupta Road (Naiwala), Karol Bagh, New Delhi-05
Ph. : 011-28752881
E-mail : delhi@akashganga.info, Website : www.akashganga.info

श्रीराम मंदिर भूमिपूजन एवं शिलान्यास पर निगम पार्षद नीरज गुप्ता ने निकाली भव्य शोभयात्रा

सरस्वती विहार। करीब 500 साल के लंबे इंतजार के पश्चात अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण का भूमि पूजन एवं शिलान्यास 5 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया।

इस उपलक्ष्य में भाजपा सरस्वती विहार मंडल के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा क्षेत्र में यज्ञ किया गया। इस अवसर पर निगम पार्षद नीरज गुप्ता व कार्यकर्ताओं ने भव्य यात्रा निकाली गयी। क्षेत्र के लोगों ने खुशी व उल्लास से श्रीराम के जयकारे लगाकर प्रभु श्रीराम के प्रति अपना समर्पण दिखाया।

निगम पार्षद नीरज गुप्ता ने इस यात्रा में आये सभी कार्यकर्ताओं के समर्पण भावना की सराहना करते हुए भाजपा सरस्वती विहार मंडल के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई दी।

निगम पार्षद कैलाश सांकला द्वारा 134 वें दिन भी सेवा कार्य जारी

दुर्बल दिव्यांग कल्याण सोसायटी को सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान हेतु जिलाधिकारी पश्चिमी जिला सुश्री नेहा बंसल द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु लॉकडाउन के चौथे चरण के बाद अनलॉक 3 में दुर्बल दिव्यांग कल्याण सोसायटी के सेवा कार्यों के 134 दिन पूर्ण होने पर सहायता शिविर कार्यक्रम के अंतर्गत लाखों जरूरतमंद लोगों को सूखा राशन, आयुर्वेदिक काढ़ा, हैंड सैनिटाईजर एवं मास्क का वितरण किया गया। सोसायटी द्वारा अभी तक 4 लाख से ज्यादा भोजन के पैकेट (मोदी किट, खाद्य सामग्री) वितरित किए गए तथा रोग- प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा बताएं गये आयुर्वेदिक काढ़ा, हैंड सैनिटाईजर तथा मास्क का भी वितरण किया गया।

दुर्बल दिव्यांग कल्याण सोसायटी के अध्यक्ष एवं पंजाबी बाग के निगम पार्षद कैलाश सांकला ने बताया कि यह सोसाइटी पिछले 26 वर्षो से जरूरतमंद लोगों के उत्थान हेतु निरंतर प्रयासरत है। अब तक इससे लाखों लोग लाभान्वित हो चुके हैं। कोरोना संकट के चलते हजारो दिहाड़ी मजदूर, गरीब लोगों को भोजन की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इन्ही दिक्कतों को दूर करने के लिए सोसायटी का अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधि होने के नाते मैंने संकल्प लिया कि अपने क्षेत्र के आसपास किसी भी गरीब, दिहाड़ी मजदूर, असहाय लोगो को भूखा नही सोने दिया जाएगा।

इसके लिए आयोजित भंडारे में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के अनेकों गणमान्य नेतागण, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारीगण सम्मिलित हुए। आज के कार्यक्रम में भाजपा पश्चिमी जिला अध्यक्ष रमेश खन्ना, मंडल अध्यक्षगण सुंदरलाल निगम, रमेश यादव, जिला एवं मंडलों के पदाधिकारीगण तथा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

कैलाश सांकला ने कहा की विपरीत परिस्थितियों में भी ईश्वर ने जो सेवा हमारी लगाई है इसे हम निरंतर यथावत सुचारू रूप से करते रहेंगे। मैंने अपने प्रयासों से हजारो लोगों को आटा, दाल, मसाले, तेल, सूखा राशन के पैकेट एवं माताओं को उनके शिशुओं के लिए मिल्क पाउडर का वितरण करवाया। लगातार 134 वें दिन भी अपने सेवा कार्यालय ए-5-ए मेन क्लब रोड, पेट्रोल पंप के सामने ओल्ड स्लम पश्चिमपुरी में दिहाडी मजदूरो, हजारो जरूरतमंद लोगो को (लंगर) हाईजेनिक पौष्टिक भोजन का वितरण किया गया और आगामी दिनों में भी राशन वितरण का सेवा कार्य निरंतर सुचारू रूप से चलता रहेगा। इस दौरान सरकार द्वारा जारी सोशल डिस्टेंस का भी पूरा पूरा पालन किया जा रहा है। कैलाश सांकला ने संस्था के सभी सहयोगी एवं वालंटियर का आभार व्यक्त किया।

हरदेव सिंह धनौआ अकाली दल दिल्ली इकाई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के पूर्व सदस्य हरदेव सिंह धनौआ को शिरोमणी अकाली दल की दिल्ली इकाई में बतौर वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दल के दिल्ली इकाई अध्यक्ष एवं दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी महासचिव हरमीत सिंह कालका द्वारा उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा गया।

इस मौके पर स्त्री अकाली दल दिल्ली इकाई की अध्यक्ष बीबी रणजीत कौर, दल के महासचिव एवं कमेटी सदस्य विक्रम सिंह रोहिणी, जसमेन सिंह नोनी भी मौजूद रहे।

हरदेव सिंह धनौआ का ट्रांसपोटर्स में अच्छी पकड़ है और दिल्ली कमेटी सदस्य एवं गुरुद्वारा बंगला साहिब का चेयरमैन रहते उन्होंने पूरी तनदेही और इमानदारी के साथ अपनी सेवाएं पंथ को दी हैं। लाकडाउन पीरीयड में भी बढ़चढ़ कर सेवा उनके द्वारा की गई।

पार्टी को पूरी तरह से समर्पित रहने वाले धनौआ की सेवाओं को मुख्य रखते हुए हरमीत सिंह कालका ने अपनी टीम में उन्हें बतौर वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया है।

श्री राम मंदिर निर्माण पर संगीत बधाई गोष्ठी संम्पन्न

नई दिल्ली। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में अयोध्या में श्री राम मंदिर निर्माण की खुशी में ष्संगीत बधाई गोष्टीष का आयोजन किया गया तथा श्री राम मंदिर निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त की गई । यह कोरोना काल मे 69 वाँ वेबिनार था । केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि 493 वर्ष के लम्बे संघर्ष और बलिदान के पश्चात आज भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण अत्यंत प्रसनता देने वाला है। हम उन सभी बलिदानियों को नमन करते हैं। इससे विश्व में करोड़ों हिन्दुओ का आत्म विश्वास और स्वाभिमान मजबूत हुआ है। हमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए।

गोष्टी की अध्यक्षता करते हुए समाजसेवी वीना वोहरा ने कहा कि श्री राम कण कण में विद्यमान हैं हमे उनके संदेश को जन जन तक पहुचाने का संकल्प लेना चाहिए। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि श्री राम मंदिर निर्माण हिन्दू राष्ट्र निर्माण की दिशा में पहला कदम है, राष्ट्र प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर आगे बढ़ेगा। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि श्री राम से नयी युवा पीढ़ी प्रेरणा ग्रहण करेगी। प्रेरणा दायक गीतों से संगीता आर्या, पुष्पा चुघ, शान्ता तनेजा, नरेश खन्ना, किरण सहगल, डॉ. रचना आहूजा, प्रवीन भाटिया आदि ने समां बांध दिया। आचार्य महेंद्र भाई, यशोवीर आर्य, दुर्गेश आर्य, चंद्र प्रभा अरोड़ा, सुदर्शन तनेजा, ओम सपरा, सुरेन्द्र शास्त्री ने भी अपने विचार रखे।

सिख ग्रंथी व अन्यों के साथ मारपीट करने वाले पुलिस कर्मियों को निलंबित करने पर शिवराज सिंह चौहान व हरसिमरत कौर बादल का किया धन्यवाद

हरसिमरत कौर बादल द्वारा मामले को उठाने पर हुई कार्रवाई : सिरसा

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष स. मनजिंदर सिंह सिरसा ने मध्यप्रदेश में ज्ञानी प्रेम सिंह ग्रंथी व अन्य सिखों पर बेरिहमी से अपमानजनक हमला करने के दोषी दो पुलिस वालों को निलंबित करने पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान व केन्द्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल का धन्यवाद किया है।

यहां जारी किए एक बयान में श्री सिरसा ने कहा कि यह मामला केन्द्रीय मंत्री श्रीमति हरसिमरत कौर बादल ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया था और बताया था कि कैसे इन दो पुलिस मुलाजिमों ए.एस.आई सीताराम भटनागर व हैडकांस्टेबल मोहन जामरे द्वारा ज्ञानी प्रेम सिंह ग्रंथी एवं अन्य सिखों पर बेरहमी से हमला किया गया जो अमानवीय व्यवहार है और किसी तरह से स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने बताया कि देश के लिए कुरबानी देने वाले सिखों के साथ ऐसा नफरत भरा व्यवहार करने वाले लोगों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए तांकि अन्यों के लिए सबक बन सके क्योंकि ऐसे गुनाह के लिए कोई माफी नहीं है।

स. सिरसा ने बताया कि हरसिमरत कौर बादल द्वारा मामले को उठाने के बाद दोनों पुलिस मुलाजिम निलंबित कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि जब भी सिख भाईचारे की बात आती है तो श्रीमति हरसिमरत कौर बादल हर मुद्दा उठाती हैं। उनके द्वारा मुद्दे को उठाए जाने के कारण ही मध्यप्रदेश सरकार कार्रवाई के लिए मजबूर हुई व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वंय इस कार्रवाई की जानकारी श्रीमति हरसिमरत बादल को दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी इस कार्रवाई के लिए श्री चौहान और श्रीमति बादल का धन्यवाद करती है।

उन्होंने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को यह भी अपील करते हुए कहा कि केवल निलंबन ही काफी नहीं है बल्कि इन दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर इन्हें सलाखों के पीछे पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिख कौम दुनिया की सब से बहादुर व दिलेर कौम है और दुनिया भर में कहीं भी किसी को भी सिखों के साथ दुर्व्यवहार करने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

सतीश बंसल ने मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

नई दिल्ली। हमारे देश में रक्षाबंधन का त्योहार सदियों से मनाया जाता है। बहन अपने भाई की लंबी उम्र के लिए व्रत भी रखती हैं। अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर भगवान से लंबी उम्र की प्रार्थना भी करती हैं और भाई भी अपनी बहन की सुरक्षा एवं रक्षा करने का वचन देता है। इसीलिए भारतवर्ष में इस पवित्र त्योहार को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

'मेरी दिल्ली' परिवार के सदस्य सतीश बंसल ने 3 अगस्त को रक्षाबंधन का पवित्र त्यौहार अपने परिवारजनों सरिता बंसल, दीपक बंसल, रजनी बंसल, नितिन बंसल, स्नेहा बंसल, ज्योति गोयल, रचित गोयल, सार्थक बंसल, एनी, लवी, आरव, नैयशा के साथ मिलकर यह त्यौहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया।

श्री राम मंदिर भूमि पूजन एवं शिलान्यास पर दिल्ली युवा जागृति मंच ने बांटे लड्डू

अशोक तंवर

नई दिल्ली। दिल्ली युवा जागृति मंच की ओर से 5 अगस्त 2020 को अयोध्या मे श्री राम मन्दिर के निर्माण कार्य का शुभारंभ होने की खुशी मे टीकरी कलां स्थित पीवीसी मार्किट गेट नं 2 टैम्पो स्टैण्ड़ पर लड्डू का प्रसाद वितरण कर खुशियाँ मनाई।

इस अवसर पर मंच के चेयरमैन अशोक तंवर, अध्यक्ष सुरेन्द्र बहल ने कहा कि श्री राम मन्दिर के निर्माण से हमारे देश के लोगों में बहुत ही खुशी की लहर हैं। हम सभी देश वासियो के लिए मन्दिर का निर्माण सौभाग्य की बात हैं।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष विनोद तोमर, कोषाध्यक्ष राकेश खिंच्ची, सलाहकार भगवान सिंह भण्डारी, सलाहकार श्याम लाल बड़सीवाल, प्रमोद बैहवाल, सज्जन नागर, संदीप तंवर, सावंरमल चेतीवाल, सदस्यगण सहित श्याम प्रभु कृपा मण्डल के प्रधान प्रहलाद शरण बड़सीवाल के अलावा अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने लड्डू बाँटकर खुशियाँ मनाई।

क्या सच में हम आजाद हैं?

डॉ. प्रियंका गुप्ता
शिक्षिका एवं समाजसेविका

हम अपने देश की आजादी का 74 वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे हैं। इस दिन भी हम खूब मौज-मस्ती करेंगे, पतंगे उड़ाई जाएंगी, गाने सुने जाएंगे, देशभक्ति की फिल्में देखी जाएंगी, घर में पकवान बनवाकर खाए जाएंगे और कुछ लोग तो यह एक छुट्टी का दिन समझ कर सारा दिन सोने में बिता देते हैं। क्यों इसी तरह मनाते हैं ना हम हमारा स्वतंत्रता दिवस?

परंतु क्या महज एक दूसरे को व्हाट्सएप पर मैसेज कर देने से या छत पर गाने चलाने, नाचने से, पतंग उड़ाने से या अखबार के पन्नों को तीन रंगों से रंग देने से हम स्वतंत्रता दिवस को सार्थक कर रहे हैं?

क्या अपने देश के लिए जान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि देने का यह तरीका ठीक है? और शायद मेरा आपसे यह पूछना गलत नहीं होगा कि क्या 73 सालों बाद भी हम आजाद हैं?

मेरे हिसाब से तो हम आज भी गुलाम हैं, अपने मन के गुलाम। हमारे मन को जो अच्छा लगता है हम वही करते हैं। हमारे शहीदों ने हमें अंग्रेजों से आजादी दिलाई पर आज भी हम उसी अंग्रेजी सभ्यता के गुलाम हैं। हम पश्चिमी सभ्यता के इतने आदी हो चुके हैं कि हम अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। हमारे देश में लगभग 50 प्रतिशत से ज्यादा लोग पाश्चात्य पहनावा पहनते हैं। साड़ी, सूट, धोती-कुर्ता तो जैसे कभी-कभी या त्योहारों पर ही पहने जाते हैं। और सिर्फ पहनावा ही क्यों स्कूल-कॉलेजों में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय तो है ही बल्कि विद्यालयों में अंग्रेजी बोलना अनिवार्य है। अंग्रेजी न बोलने वाले को तो दाखिला तक नहीं दिया जाता। और तो और हिंदी बोलने वालों को पिछड़ा हुआ समझा जाता है। हिंदी हमारी मातृभाषा है फिर भी हमारे देश के बच्चों को हिंदी ठीक से लिखनी तक नहीं आती। क्या यह हमारे लिए शर्म की बात नहीं है? यह गुलामी नहीं तो और क्या है?

तीज त्योहारों पर लोकगीत गाने की बजाय अंग्रेजी पॉप म्यूजिक का चलन बन गया है। दुनिया भर में भारत अपनी संस्कृति के लिए जाना और माना जाता है। यहां का पहनावा, खानपान, सजावट की चीजें, त्यौहार दुनिया भर में मशहूर हैं। फिर क्या जरूरत है हमें किसी और सभ्यता को अपनाने की? क्यों नमस्ते-प्रणाम छोड़कर हाय-हेलो करते हैं हम? क्यों सात्विक भोजन को छोड़कर तामसिक भोजन खाने लगे हैं हम? क्यों हमारे देश में तलाक और लिव-इन रिश्तों का प्रचलन बढ़ता जा रहा है?

पहले विद्यार्थी अपने शिक्षकों को माता-पिता से भी बढ़कर इज्जत देते थे, परंतु आज मुझे पीड़ा होती है जब मैं विद्यार्थियों को शिक्षकों का मजाक बनाते और उनके साथ बदतमीजी करते हुए देखती हूं। शिक्षकों को इज्जत देना तो दूर की बात है माता-पिता तक को सम्मान नहीं मिल पाता आज की युवा पीढ़ी से, परंतु इसके लिए आज की पीढ़ी को क्या दोष क्यूं दूं। हमने उन्हें माहौल ही ऐसा दिया है। सब माहौल का असर है।

अब भी समय है खुद को आजाद कराने का, इन पाश्चात्य संस्कृति को त्यागने का और खुद को भारतीय संस्कृति में रंगने का। हम अभी भी भारतीय होने के गर्व से सम्मानित हो सकते हैं। जय हिंद।।

NNS
Media Group Since 1950
दैनिक व्यापार केसरी
का वार्षिक शुल्क देने पर
ई-व्यापार केसरी
+
WhatsApp (SMS)
बिल्कुल फ्री
तीनों अब केवल ₹2500 में

हॉकर चार्जेज अतिरिक्त*
बुकिंग के लिए सम्पर्क करें
8588849250 • info@nnsonline.com

शास्त्र प्रमाण के साथ 11 अगस्त को ही मनाएं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी : डॉ. नरेश चंद्र शास्त्री

डॉ. नरेश चंद्र शास्त्री
ज्योतिषाचार्य एवं भागवत भास्कर
गुरुधाम, जट्टारी, वृंदावन धाम

जन्माष्टमी के पावन अवसर पर अखंड संकीर्तन का आयोजन

वृंदावन। अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी के भव्य मंदिर के शिलान्यास होने की खुशी में जन्माष्टमी के पावन अवसर पर ध्यान साधना केंद्र, जट्टारी में 'हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे, हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे' महामंत्र के अखंड संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। जोकि मंगलवार, 11 अगस्त को प्रात: 8 बजे से आरंभ होकर बुधवार, 12 अगस्त को प्रात: 8 बजे तक चलेगा। तत्पश्चात हवन यज्ञ का कार्यक्रम रहेगा। सभी श्रद्धालुजन इस अवसर पर सादर आमंत्रित हैं।

नई दिल्ली। शास्त्रों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी को दो तरह से माना गया है। पहली जन्माष्टमी एवं दूसरी जयंती। पहली अष्टमी वह है जो अर्धरात्रि में प्राप्त होती है। दूसरी अष्टमी वह है जिसमें अष्टमी तिथि एवं रोहिणी नक्षत्र का संयोग मिलता है। और इस प्रकार की अष्टमी को जयंती योग वाली अष्टमी कहते हैं।

11 अगस्त की अर्धरात्रि को अष्टमी तिथि मिल रही है। 12 अगस्त को उदयाष्टमी दिन में 8 बजे तक ही है और अर्धरात्रि में रोहिणी का भी संयोग नहीं है। ऐसी स्थिति में शास्त्र कहता है कि-

श्लोक:- दिवा या यदि वा रात्रो नास्ति/चेंद्रोहिणी कला। रात्रि युक्तां प्रकुर्वीव विशेषेणेन्दु संयुताम।

यदि दिन-रात में कला मात्र रोहिणी ना हो तो चंद्रमा से मिली हुई रात्रि में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का व्रत एवं पूजन करना चाहिए। 11 अगस्त मंगलवार में चंद्रोदय रात्रि 11/21 बजे हो रहा है। चंद्र कलाओं से युक्त अष्टमी तिथि को ही प्रमुखता दी जाएगी। इसलिए 11 अगस्त को ही श्री कृष्ण जन्माष्टमी मनाएं।

दूसरा प्रमाण:- निशीथ अष्टमी श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत होता है। 11 तारीख को अष्टमी निशीथ काल तक है। 12 तारीख में अष्टमी केवल 6/15 तक ही है। इसलिए 11 तारीख मंगलवार को ही जन्माष्टमी मनाएं, शास्त्र प्रमाण के साथ।

श्री राम मंदिर निर्माण स्थल पर संजय मित्तल ने टेका मत्था

नई दिल्ली। करीब 500 साल बाद 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण कार्य का भूमि पूजन एवं शिलान्यास माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। देश को सदियों से जिस दिन का इंतजार था, बुधवार को पूरा हो गया। 492 साल पुराना सपना सच होते देख पूरे देशवासियों की आंखों में नई चमक थी।

प्रसिद्ध समाजसेवी एवं श्मेरी दिल्लीश परिवार के सदस्य संजय मित्तल (कैलाश चंद वर्क वाले) ने पहले राम लला की पूजा-अर्चना की एवं हवन किया। तत्पश्चात वे श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण की पवित्र धरती पहुंचे। वहां पर संजय मित्तल ने श्री राम मंदिर निर्माण स्थल पर मत्था टेका और रामलला का आशीर्वाद लिया। संजय मित्तल ने बताया कि मेरा मस्तक गर्व से ऊंचा हो गया, जबसे राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ। 492 वर्ष से हमारे पूर्वज जिस दिन का इंतजार कर रहे थे वह 5 अगस्त 2020 को पूरा हुआ। वहां का नजारा बड़ा ही अलौकिक था।

वार्ड 20-एस, विकासपुरी में वृक्षारोपण कार्यक्रम

विकासपुरी। 25 जुलाई को प्रात: 9.30 बजे एफ ब्लॉक के सेंट्रल पार्क और प्रात: 10.30 बजे पंचवटी पार्क में वृक्षारोपण का कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में क्षेत्र की लोकप्रिय निगम पार्षद श्रीमती सरिता जिंदल व भाजपा नेता सुनील जिंदल ने मानसून के सीजन का लाभ उठाते हुए सभी के साथ मिलकर पौधारोपण किया, ताकि वार्ड-20-एस विकासपुरी के सभी पार्कों में भरपूर हरियाली हो और सुंदरता रहे।

कार्यक्रम में एफ ब्लॉक से गौरव निझावन, बी.एस. चड्ढा, श्री मेहंदीरत्ता, अमित त्यागी, माया अपार्टमेंट से भास्कर जी, किशन चावला, अर्जुन अपार्टमेंट से देवेंदर दलाल, पंचवटी अपार्टमेंट से सौरभ जी, गंगोत्री अपार्टमेंट से गाबा जी और वैशाली अपार्टमेंट से पवन कुमार के साथ साथ सभी ने वृक्षारोपण में सहयोग किया।

संदेश विहार आरडब्ल्यूए ने मनाया श्रीराम मंदिर भूमि पूजन उत्सव

नई दिल्ली। करीब 500 वर्षों बाद 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में श्रीराम जन्म भूमि मंदिर के निर्माण कार्य का भूमि पूजन एवं शिलान्यास माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। देश को सदियों से जिस दिन का इंतजार था, बुधवार को वह पूरा हो गया। 492 साल पुराना सपना सच होते देख पूरे देशवासियों की आंखों में नई चमक थी। घर घर बधाई गीत गाए गए। पूरे देश में लड्डू बांटे गए और घर-घर दीप जलाए गए। देश के हर मंदिर में रामलला की पूजा-अर्चना की गई।

दिल्ली में हजारों लोगों ने रामलला की पूजा की। देश के हर नागरिक को अब लगता है कि श्री राम मंदिर बनते ही दुबारा रामराज्य शुरू हो जाएगा। ऐसा ही नजारा आरडब्लूए संदेश विहार और महाराजा अग्रसेन मैत्री मंडल द्वारा सेंट्रल पार्क संदेश विहार पार्क में 108 दीप जलाए गए। रामलला के मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन के उपलक्ष्य में मिठाइयां बांटी गई। संदेश विहार वासियों ने एक-दूसरे को बधाई दी। लोगों के मन में मानो सदियों पुराना रामराज्य बन गया। सभी लोगों का मानना है कि सदियों पुराना हिंदुत्व फिर से जिंदा हो गया। संदेश विहार वासियों ने घर-घर दीप जलवाए और रामलला मंदिर भूमि पूजन उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया। रामलला के भूमि पूजन उत्सव को सफल बनाने में सनातन धर्म मंदिर के प्रधान साधु राम गोयल, महाराजा अग्रसेन मैत्री मण्डल प्रधान पवन गोयल, आर.डब्ल्यू.ए. संदेश विहार की प्रधान रिचा सहदेव, सैक्रेटरी उषा बंसल, कैशियर सतीश बंसल, चैयरमैन पुरुषोत्तम गोयल, जय भगवान बंसल, अनिल बंसल, विजय जिन्दल, अशोक जिन्दल, अरविन्द गोयल, राजिन्द्र जिन्दल, दिनेश मित्तल एवं मदन लाल संदेश विहार के गणमान्य व्यक्तियों ने अपना अहम योगदान दिया।

पंजाबी बाग सोसायटी द्वारा हाउस टैक्स कैंप का सफल आयोजन

पंजाबी बाग। पंजाबी बाग को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी द्वारा बृहस्पतिवार, 30 जुलाई को बावा नत्था सिंह वाटिका पंजाबी बाग में एक और हाउस टैक्स कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें 100 से ज्यादा लोगों द्वारा लगभग 18 लाख रुपए का हाउस टैक्स जमा करवाया गया। इस अवसर पर स्थानीय निगम पार्षद एवं दक्षिणी दिल्ली नगर निगम में वेस्ट जोन के चेयरमैन कैलाश सांकला भी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि बावा नत्था सिंह वाटिका में 10 दिन पहले भी एक हाउस टैक्स कैंप का आयोजन सोसायटी के पदाधिकारियों के दूसरे ग्रुप द्वारा किया गया था। इस प्रकार सोसायटी के दोनों धड़ों के माध्यम से ईस्ट पंजाबी बाग एवं वेस्ट पंजाबी बाग में कई हाउस टैक्स कैंप का आयोजन किया जा चुका है, जिससे स्थानीय लोगों को काफी सुविधा मिली। शिवाजी पार्क मंदिर में भी दो शिविरों का आयोजन सफलतापूर्वक किए गए हैं।

इस शिविर के आयोजन में सोसायटी के उप प्रधान वेद जैन, मंत्री जोगेंद्र सिंह गहलोत, कोषाध्यक्ष नरेश गोयल, कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार गोयल, सुरेंद्र पाल सिंह, राजेंद्र सिंह, महिला कार्यकारिणी सदस्य कविता सिंगला, सविंदर कौर द्वारा विशेष रूप से योगदान दिया गया एवं शिविर में आने वाले लोगों का समुचित मार्गदर्शन किया गया। विशेष रूप से महिला सदस्यों की सक्रियता काफी उल्लेखनीय रही।

प्राइमा केयर फाउंडेशन के संरक्षक बने सतमोला ग्रुप के चेयरमैन अनिल मित्तल

नई दिल्ली। सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं सतमोला ग्रुप के चेयरमैन अनिल मित्तल से प्राइमा केयर फाउंडेशन के संस्थापक प्रधान सुभाष गोयल एवं संस्था की मीडिया पार्टनर पूजा गुप्ता ने मुलाकात कर संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों के बारे में विस्तृत रूप से बताया। अनिल मित्तल ने संस्था के सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए प्राइमा केयर फाउंडेशन द्वारा दिल्ली पुलिस को दिए गए मास्क को सराहनीय कदम बताया।

संस्था के तुशांत गुप्ता ने अनिल मित्तल को संस्था के संरक्षक के लिए निवेदन किया, जिस पर अनिल मित्तल ने अपनी सहमति जताते हुए अपना पूरा सहयोग प्राइमा केयर फाउंडेशन को देने का आश्वासन दिया।

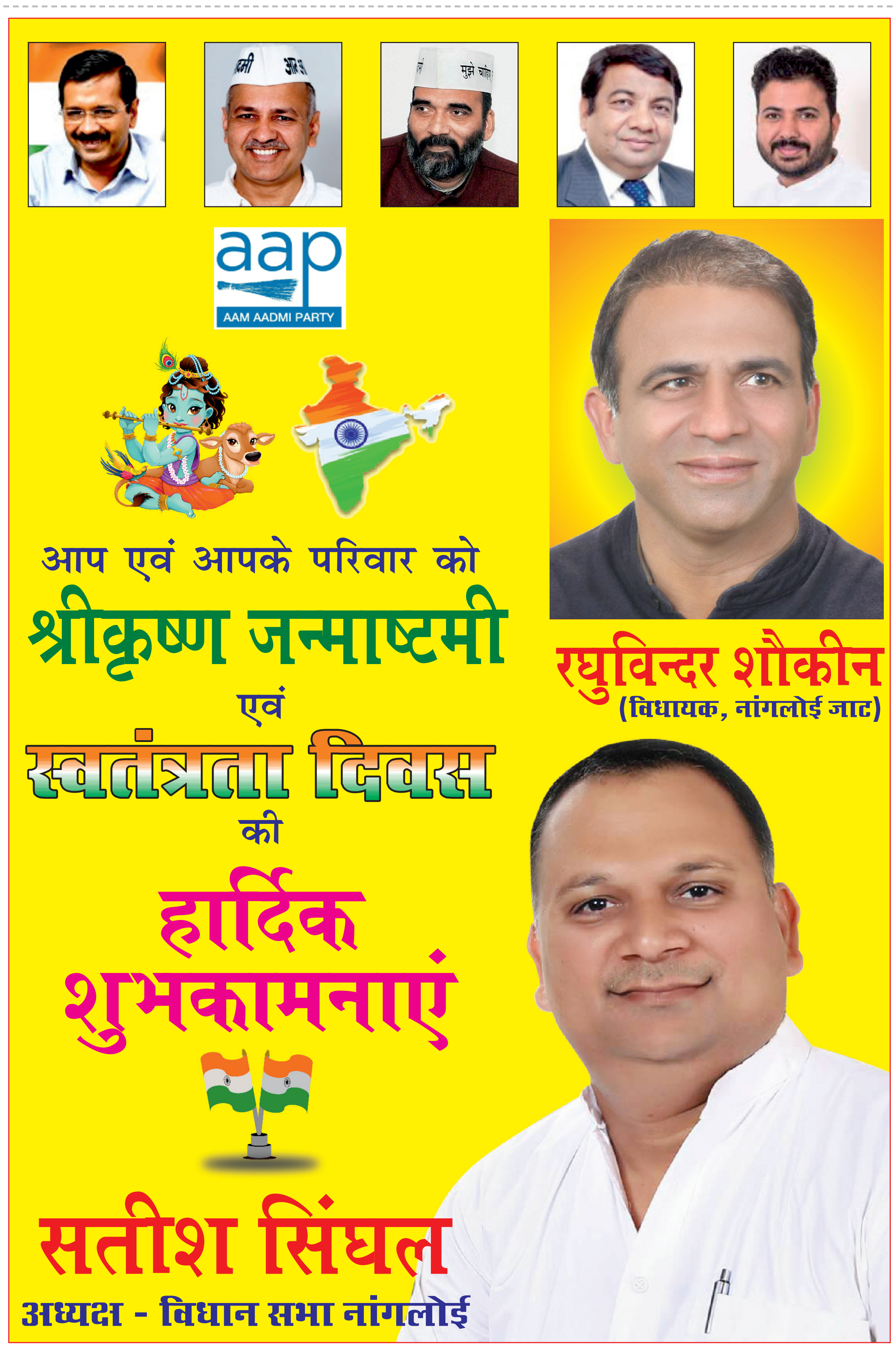

Date of Publication- : 09/08/2020
Posted at Delhi R.M.S. on- : 10/11/08/2020
Postal Regn. : DL (W) 05/2065/2018-2020 RNI No. 49326/89
Licence to Post Without Prepayment : U (W) - 08/2018-2020

KAMAL PUBLIC SR. SEC. SCHOOL

KPS — KNOWLEDGE · STRENGTH · PERFECTION

D-Block, Vikas Puri, New Delhi, Ph.: 011-28537741, 28534507, 28534134
E-mail: kpssschool@gmail.com, Website: www.kamalpublicschool.com

BRITISH COUNCIL INTERNATIONAL SCHOOL AWARD 2016–2019

SCHOLARS GRADE XII (2019-20)

No. of Students securing 90% and above 41

No. of Distinctions - 815

SCIENCE STREAM

Aakansha Kushwah 97.4%
Taniya Pokhriyal 96.25%
Ghufran Mahmood 95.25%
Yashwant G. 94%
Mohd. Faisal Khan 92.25%
Mithlesh Kumar 92.75%
Tushar Kumar 92.5%
Yashika Chandel 91.25%

COMMERCE STREAM

Aakansha 97%
Akhilesh Goyal 97%
Yash Gangil 95.75%
Ishita Tanwar 94.5%
Pooja Bawejal 92.6%
Chaitanya Jaggi 93.75%
S.Sisir Rao 92.25%

HUMANITIES STREAM

Himanshi Chawla 96.25%
Simran Parnami 95%
Preeti 94.75%
Ujjawal Kumar Singh 93.25%

MERITORIOUS STUDENTS

Ashish Kumar (Physics 95, Chem 95, Comp Sci 94)
Reeda (Physics 94, Chem 93, P.Edu 90)
Piyush Verma (Maths 92, Chem 90, P.Edu 90)
Arshdeep Singh (Pol Sc. 94, Eng 93, Hindi 91)
Yash Lakra (History 93, Eng 91, Hindi 91)
Chhavi Grover (Eco 91, B.St. 90, P.Edu 95)
Jaskaran Singh (Eng 95, Comp. Sci 90)
Devesh S. Kushwah (Eng 93, P.Edu 91)
Aleen Kaur (Eco 93, B.St. 91)
Bhawana Budhiraja (Eng 95, P.Edu 95)
Kinjal (Eng 95, P.Edu 94)
Reema E.M (Eng 92, P.Edu 93)

SCHOLARS GRADE X (2019-20)

No. of Students securing 90% and above 35

No. of Distinction - 836

Abhishek Kumar 96.8%
Tapish Sapra 96.8%
Yuvraj Bhatia 94.2%
Garvit Singh 94.2%
Srishti Mishra 93.6%

Shreshth Singhal (Eng 93, Hindi 96, Maths 98, SST 95)
Harshit Gautam (Hindi 91, maths 97, SST 95)
Jigyasa Sharma (Eng 90, Hindi 93, SST 95)
Aastha Goyal (Eng 90, Hindi 93, Maths 90)
Piyushi Kumari (Eng 92, Hindi 98, Maths 98)
Bushra Jameel (Eng 94, Hindi 98, SST 90)
Sneha (Eng 91, Hindi 93, SST 95)
Niharika (Eng 91, Hindi 93, SST 91)
Rishabh Srivastva (Hindi 90, Maths 90, SST 90)
Anushka Ravi (Eng 94, Maths 91, SST 95)
Anshika Sharma (Eng 90, SST 95)
Isha Bhatti (Eng 95, Hindi 94)
Krish Wadhwa (Hindi 93, SST 95)
Rakshit Sharma (Maths 96, SST 95)
Rupashi (Eng 90, SST 95)
Garima Nayar (Eng 90, Hindi 90)
Sahil Agarwal (Eng 90, SST 93)
Semon Hooda (Maths 92, SST 92)
Himanshi (Eng 90, Maths 94)
Chanchal Gupta (Eng 91, Hindi 93)
Magha Dahiya (Hindi 93, SST 95)
Rushil Sood (Hindi 93, SST 95)

Few Seats Available From Grade PS to IX

ADMISSION OPEN FOR GRADE XI
SCIENCE, COMMERCE, HUMANITIES